सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 01, अंक 355, नई दिल्ली । सोमवार, 04 मार्च 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अपने छोटे-छोटे कामों में भी अपने दिल ,दिमाग और आत्मा को लगा दीजिए, यही सफलता का रहस्य है ।

03 सड़कों पर भरा सीवर का गंदा पानी, आवाजाही में हो रही परेशानी
06 कानून को अपना रसूख दिखाने वाले नेताओं पर सख्त कार्रवाई
08 रानी अब्बाका क्रीड़ा उत्सव कार्यक्रम आयोजित

जागो ई रिक्शे, आटो एवं अन्य वाहन मालिक / चालक

दिल्ली एवं भारत देश के सभी वाहन मालिकों के लिए विशेष जिन्होंने अपने वाहन कर्जे पर खरीदा था और समय पर किश्त अदा नही कर पाए

संजय बाटला

नई दिल्ली। यह खबर उन सभी वाहन मालिको के लिए अति आवश्यक एवम् विशेष है जिन्होंने अपने वाहन कर्जा लेकर खरीदे और समय पर कर्जे की किश्त अदा नही कर पाए और बैंक/एनबीएफसी/ प्राइवेट कर्जा देने वाले के द्वारा आपके कर्जे से खरीदे वाहन के लिए बैंक/ एनबीएफसी/ प्राइवेट फाइनेंस कंपनी द्वारा स्वयं अपनी इच्छा से आर्बिटेटर नियुक्त कर आपके वाहन को बेच कर अपनी रकम वह भी गैर कानूनी ब्याज दर पर वसूलने के आदेश प्राप्त कर आपके वाहन को बेचना चाह रहे हैं तो आप घबराए नहीं, अपने हक के लिए लड़ने के लिए हो जाए तैयार और आपकों साथ देने के लिए खड़े हो गया है ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स एंड लेबर वेलफेयर एसोसिएशन (पंजिकृत अंडर सेक्शन 1860) और दिल्ली के कई अधिवक्ता (वकील साहब)

ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स एंड लेबर वेलफेयर एसोसिएशन खास तौर से ई रिक्शे चालकों/ मालिको एवं आटो एवं टैक्सी चालको/मालिको को खुला निमंत्रण देता है की अगर आप किसी बैंक/ एनबीएफसी या प्राइवेट फाइनेंस देने वालो में से किसी से भी परेशान हो और वह आपकों गलत तरीके से परेशान कर रहा हो या अपनी इच्छा से आर्बिटेटर खड़ा कर आपके वाहन को बेचने के आदेश पारित करवा रहा है तो **आप हम से संपर्क करें हम आपके लिए आपकी तरफ़ से लड़ेंगे और आपकों ना सिर्फ परेशानी से छुटकारा दिलवाएंगे साथ में गलत तरीके से परेशान करने वाले को सजा भी दिलवाएंगे।** आपकी जानकारी के लिए बता कोटक महिन्द्रा बैंक द्वारा ऐसे ही गलत करने के खिलाफ माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली और सुप्रीम कोर्ट ने वाहन मालिक के पक्ष में आदेश जारी कर न्याय प्रदान किया।

जागो और अपने गलत को गलत सिद्ध कर अपने वाहन को बचाओ.

सभी ऑटो चालकों से अनुरोध है कि आप अगर किसी फाइनेंस कंपनी से परेशान हैं तो आप हमारे परिवहन विशेष या भारतीय **तिपहिया चालक संघ के महासचिव सोबरन सिंह राजपूत से संपर्क करें** धन्यवाद आपका सोबरन सिंह राजपूत 9868058205, अधिवक्ता (वकील) श्री विजय सहगल 09873403435, अधिवक्ता (वकील) श्रीमती शैली 098184 13393

सावधान :- सावधान :-सावधान

टाटा के वाहन खरीदने की सोचने वाले सभी वाहन मालिक रहे सावधान...

कही सिर्फ अपनी बिक्री बड़ाने के लिए टाटा अधिकृत डीलर आपकों बेच ना दे ऐसा वाहन जिसको खरीद कर भी आप ना करवा पाए पंजीकृत

संजय बाटला

नई दिल्ली। टाटा द्वारा निर्मित वाहनों को खरीदने से पहले पूरी तरह संतुष्टि/ जांच पड़ताल कर ले की वह वाहन आपके जरुरत वाले राज्य में पंजीकृत हो जाएगा।

यह हम आप को इसलिए बता रहे हैं की बहुत से वाहन मालिकों ने थोड़े से पैसों की बचत के लालच में आकर दिल्ली से बाहर अधिकृत टाटा मोटर्स के डीलर से बसे खरीदी और उस राज्य से दिल्ली के लिए टेंपरेरी पंजीकरण लेकर दिल्ली पहुंचे और जब दिल्ली में उन बसों के पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की तब पता चला की उन बसों का दिल्ली में पंजीकरण नही हो सकता।

पूरी जानकारी प्राप्त करने पर परिवहन विभाग दिल्ली से पता चला की दिल्ली में किसी भी श्रेणी के वाहनों के पंजीकरण के लिए दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा माडल अप्रूवल होना आवश्यक है और टाटा मोटर्स के ऐसे बहुत से वाहन है जिनका टाटा मोटर्स द्वारा दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा माडल अप्रूवल नही लिया गया है और इस कारण

"किसी अन्य राज्य से दिल्ली में पंजीकरण की इच्छा रखने वाले वाहन मालिक को नया या पुराना टाटा मोटर्स का वाहन खरीदने से पहले सावधानी बरतनी होगी वरना होना पड़ेगा परेशान और खाना पड़ेगा नुकसान।

एक वाहन मालिक द्वारा दिल्ली से बाहर के टाटा अधिकृत डीलर से खरीदी गई 4 नई बसों के बारे में पिछले 45 दिनों से सुचित कर माडल अप्रूवल की प्रार्थना/ मांग कर रहा है, पर टाटा मोटर्स को कोई चिन्ता नहीं है उस वाहन मालिक की और डीलर जिसने दिल्ली के अस्थाई पंजीकरण करवा कर दिया पूर्ण रूप से दिल्ली में पंजीकरण को लेकर मुकर गया, कही ऐसा ना हो की दिल्ली के अन्य वाहन मालिको को भी ऐसे ही परेशानी उठानी पड़े इसलिए अभी इसी पल से हो जाए सावधान और सचेत *टाटा मोटर्स के किसी भी वाहन को खरीदने से पहले उसका दिल्ली माडल अप्रूवल की प्रति डीलर से अवश्य साथ में प्राप्त करे।

यह मुद्दा सीधे तौर पर टाटा मोटर्स और उसके द्वारा अधिकृत डीलर्स से सम्बंधित है। आप सभी यह सोच रहे हैं की किसी भी वाहन को भारत देश में बेचने से पहले चारो टेस्ट लेब में से किसी एक टेस्टिंग लेब द्वारा माडल अप्रूवल प्रमाणपत्र प्राप्त करना आवश्यक है जो टाटा मोटर्स द्वारा भी लिया जाता हैं पर उस वाहन माडल के वाहन को दिल्ली में पंजीकृत करवाने के लिए दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा राज्य मॉडल अप्रोवल की जरूरत रखी हुई है। बाहरी राज्यों में टाटा मोटर्स के अधिकृत डीलर अपनी सेल बढाने के लिए बिना यह जांच किए की इस मॉडल के वाहन के लिए दिल्ली से मॉडल अप्रूवल प्रमाणपत्र जारी है या नहीं ऐसे वाहन दिल्ली के वाहन मालिको को बेच रहे हैं जिसका माडल अप्रूवल दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा जारी नही हुआ होता और दिल्ली राज्य मॉडल अप्रूवल के लिए अप्लाई करने का काम टाटा मोटर्स का है ना कि डीलर का यह कहना है दिल्ली के अधिकृत डीलर्स का। इस विषय को आप सब तक पहुंचाने का मुख्य कारण है की टाटा मोटर्स को इस मामले की जानकारी वाहन खरीदने वाले की तरफ़ से भेजे 45 दिन से अधिक हो चुके हैं पर आज की तारीख तक टाटा मोटर्स द्वारा दिल्ली परिवहन विभाग में अपने उस माडल की बस जिसकी कीमत वह प्राप्त कर चुका है की अप्रूवल की कार्यवाही भी शुरु नही की यानी दस्तावेज़ नही भेजे

अब आप बताए क्या यह टाटा मोटर्स और उसके अधिकृत डीलर की गलती है या नहीं और क्या यह दिल्ली के वाहन मालिको के साथ धोखा नही?

इलेक्ट्रिक वाहन टाइप टेस्टिंग फीस टेस्टिंग लैब द्वारा बहुत अधिक रखी हुई हैं : डा. शैलेंद्र सरोज

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ़ इलेक्ट्रिक व्हीकल के अध्यक्ष डॉक्टर शैलेंद्र सरोज द्वारा हमारे विशेष संवाददाता से बातचीत में बताया की भारत देश में प्रदुषण नियंत्रण में सबसे अधिक सहायक है इलेक्ट्रिक वाहन और अगर भारत सरकार, भारी उद्योग मंत्रालय और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय अगर इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं को कुछ सहयोग प्रदान कर दे तो इलैक्ट्रिक वाहनों की कीमतों में काफी कमी आ सकती है और इलैक्ट्रिक वाहन की खरीदारी आम आदमी तक पहुंच जाएगी। प्रधानमंत्री की सोच 2034 में 40 से 50 प्रतिशत हिस्सेदारी इलेक्ट्रिक वाहनों से कही अधिक सड़को पर चलते नजर आएंगे वह भी बिना सब्सिडी प्रलोभन के।

डा. सरोज द्वारा बताया गया कि भारत देश की सड़कों पर वाहनों को बिक्री के लिए उतारने से पहले भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा अधिकृत वाहन टेस्टिंग लेब से वाहनों के लिए टाइप टेस्ट अनुमोदन प्रमाणपत्र प्राप्त करना आवश्यक है जिसके लिए भारत देश में चार अधिकृत लेब ही है जो किसी वाहन को सड़को पर उतरने से पहले टाइप टेस्ट अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी कर सकते है और वह है

1 एआरएआई :- पुणे
2 आईकैट :- मानेसर-गुरुग्राम
3 नाट्रेक्सः- इंदौर और
4 गार्कः- चेन्नई

डा. सरोज द्वारा बताया गया वाहनों और इसमें लगने वाले उपकरणों के लिए लेब टेस्टिंग फीस बहुत ज्यादा है। उनके कहे अनुसार

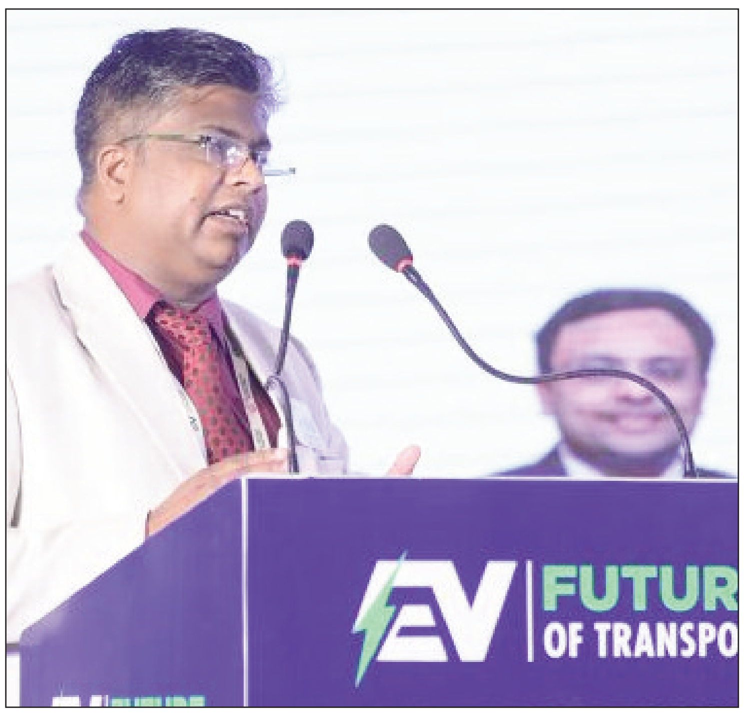

एक बैटरी की टेस्टिंग फीस 5 से 6 लाख रुपए

एक बैटरी चार्जर की टेस्टिंग फीस तीन से चार लाख रुपए

एक स्कूटर या बाइक की टेस्टिंग फीस 15 से 20 लाख रुपए है

इंटरनेशनल फेडरेशन आफ इलेक्ट्रिक वाहनों के द्वारा भारी उद्योग मंत्रालय और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को कई बार पत्र लिखकर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए टेस्टिंग फीस को कम करने के लिए निवेदन किया गया है और इसके अलावा कई बार मंत्रालय में बैठक भी की गई और साथ ही इस विषय पर ई मेल भी भेजी गई है लेकिन किसी भी मंत्रालय या भारत सरकार के द्वारा भेजी गई ई मेल, बैठको या पत्रों के प्रति कोई सकारात्मक जवाब नही दिया गया।

डा. सरोज द्वारा हमारे सवाददाता को यह भी बताया गया की भारी टेस्टिंग फीस के अलावा वाहन निर्माताओं को वाहन की टेस्टिंग प्रक्रिया में काफी लम्बा समय लगता है। उनके अनुसार वाहन निर्माताओं को वाहन टेस्ट करवाने में कम से कम तीन (3) से चार (4) महीने और कभी-कभी छ (6) महीने भी लग जाते है।

इलेक्ट्रिक वाहनों के टेस्टिंग के लिए ली जाने वाली भारी दर की फीस और वाहन टेस्टिंग में लगने वाला विलंबित लंबा समय माननीय प्रधानमंत्री की इच्छा 2034 तक सड़को पर 40 से 50 प्रतिशत हिस्सेदारी में एक बड़ी रुकावट और चुनौती पूर्ण है।

इलेक्ट्रिक वाहन जो प्रदूषण नियंत्रण करने के लिए एक बहुत ही जरूरी कदम है के लिए वाहन एवम् उपकरण टेस्टिंग फीस का इतना अधिक होना और वाहनों को टाइप टेस्टिंग प्रमाणपत्र जारी करने में लगनी वाली लम्बी विलंबता इलेक्ट्रिक वाहनों को आम जनता की पहुंच के बीच एक बड़ा बैरियर है।

> *“भारी उद्योग मंत्रालय, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को इस विषय पर जल्द ही ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है जिससे इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं को लेब में वाहन टेस्टिंग समय सीमा में हो और वह भी न्यूतम दर पर, तभी सम्भव हो पाएगा भारत देश की सड़को पर इलेक्ट्रिक वाहनों का सही इजाफा।*
>
> **संजय बाटला अध्यक्ष :- टोलवा)**

बदरपुर फ्लाईओवर पर कार और ट्रक की भीषण टक्कर में तीन की मौत, चार घायल

परिवहन विशेष न्यूज

दक्षिणी दिल्ली के बदरपुर फ्लाईओवर के निकट कार और ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि चार लोग घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि बदरपुर थाने को इसकी सूचना देर रात मिली। कार में सात लोग सवार थे जिसमें तीन की मौत हो गई। इस घटना में कई लोगों के घायल होने की सूचना है।

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के बदरपुर फ्लाईओवर के निकट देर रात कार और ट्रक की भीषण टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि कार चालक को नींद आ गई थी, इस वजह से यह हादसा हुआ।

पुलिस ने बताया कि बदरपुर थाने को घटना की सूचना देर रात मिली। कार में सात लोग सवार थे, जिसमें तीन की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कार चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया। इस कारण विपरित दिशा से आ रही ट्रक से उसकी टक्कर हो गई।

एम्स के ट्राम सेंटर में भर्ती

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि कार सवार सभी शख्स फरीदाबाद से एक शादी समारोह से लौट रहे थे। मृतकों की पहचान ओखला की संजय कॉलोनी निवासी राज (21), संजू (38) और दिनेश (22) के तौर पर हुई है। घायलों को एम्स के ट्रामा संटर में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने हादसे के 5 महीने बाद खुलासा किया है....

आन्ध्रा में ट्रेन हादसे के वक्त ड्राइवर फोन पर क्रिकेट मैच देखने में बिजी थे, मीडिया की सुर्खी बना हादसा

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली, एसडी सेठी। 29 अक्टूबर,2023 दिन शनिवार की शाम 7 बजे विजयनगरम जिले के कोटाकापल्ली में हावडा-चेन्नई लाइन पर- रायगढ़ापैसेजेंर ट्रेन ने विशाखापतनम प्लाजा ट्रेन को पीछे से भीषण टक्कर मार दी थी। इस रेल हादसे में 14 पेसेंजरों की मौके पर मौत हो गई थी, और 50 से ज्यादा यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए थे। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने हादसे के 5 महीने बाद खुलासा किया है, कि जांच में सामने आया है कि एक ट्रेन के ड्राइवर और सहायक ड्राइवर मोबाइल फोन पर-तब क्रिकेट मैच का लुत्फ ले रहे थे ।जिसके कारण उनका गफलत में ध्यान भटका, और उस भीषण ट्रेन हादसे का कारण बना। जांच में सामने आया क्रिकेट मैच देखने में इतने बिजी थे कि ट्रेन नियमों की लापरवाही के चलते दो खराब ऑटो सिग्नल को पास कर दिया था।

इस दुर्घटना में चालक दल के दोनों सदस्यों की भी मौत हो गई थी। रेल मंत्री अश्विन वैष्णव ने रेलवे के उन नए सुरक्षा उपायों का भी जिक्र भी किया कि भारतीय रेल ट्रेन परिचालन की सुरक्षा

को बढाने के लिए काम कर रही है। जिससे भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके। हालांकि ट्रेन एक्सीडेंट की जांच रिपोर्ट को अधिकारिक तौर पर अब-तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। लेकिन मंत्री के मुताबिक ट्रेन दुर्घटना के एक दिन बाद रेलवे की प्रारम्भिक जांच में रायगढ़ा पैसेंजर ट्रेन के लोको पायलट और को-पायलट को टक्कर के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था। दोनों ट्रेन ड्राइवर मोबाइल पर क्रिकेट मैच देखने में इतने बीजी थे कि उन्होंने दो खराब ऑटो सिग्नल को ध्यान ही नहीं दिया। जिससे दोनों ट्रेन की आपस में भीषण भिडंत हो गई, वहीं बेकसूर यात्रियों की मौत हो गई। और 50 से ज्यादा घायल हो गए थे।

ओला कैब ड्राइवर से सावधान, पर्दाफाश करतूत

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी, नई दिल्ली। वर्तमान में लोगों के आराम का हमसफर बनी ओला कैब ड्राइवर की डरावनी हरकत का खुलासा हुआ है। पीडित ने आम लोगों को भी आनलाइन कैब बुकिंग करवाने वालों से लिंक्ड पर शेयर कर सावधान रहने को कहा है।

राजधानी दिल्ली के रहने वाले पीडित शख्स को ओला ड्राइवर ने ना सिर्फ बच्चे के सामने पीटा बल्कि लूटपाट को अंजाम देने की कोशिश भी की । हैरानी की बात है कि तमाम सुरक्षा का तामझाम बखारने वाली कंपनी ओला ने मामले पर कोई कारवाई नहीं की है।

राजधानी दिल्ली के रहने वाले पीडित शख्स किरण वर्मा के मुताबिक वह दिल्ली एयरपोर्ट किसी को लेने जा रहे थे ।उन्होने ओला की कार बुक की। बुकिंग पर एक ओला ड्राइवर आया और उसने राइड कैंसिल करने और फिर कैश पेमेंट के लिए कहा। किरण वर्मा ने इससे इन्कार कर दिया ।इसके बाद वह ना चाहते हुए भी ड्राइवर राइड लेकर चल पडा। लेकिन गलत दिशा में जाने लगा। इस पर किरण ने उसे टोका तो उसने बताया उधर से ट्रैफिक ज्यादा है। जाम है। ये रास्ता ठीक है ।पीडित किरण के मुताबिक वह कुछ दूर गया और गाडी रोककर अधिक पैसे की डिमांड करने लगा ।उसके चिल्लाने से मेरा छोटा 6 साल का बेटा डर गया। हम दोनो कैब से बाहर आ गए। और ओला कस्टमर केयर और पुलिस को फोन करने लगे।

किरण ने जब पुलिस और ओला कस्टमर्स केयर को कॉल करना शुरू किया तो ड्राइवर तेजी से बाहर निकला और बैग छीन लिया और हाथापाई के साथ ,थप्पड भी मारने लगा। पीडित किरण ने बताया कि इसी दौरान वहां एक सज्जन पहुंचे जो कैब ड्राइवर थे। मैने कस्टमर्स केयर पर बात की ।तो मुझे सुझाव दिया गया कि मैं कोई पेमेंट ना करू, ना ही ड्राइवर से बात करू। पीडित किरण वर्मा ने ओला हेल्पलाइन पर भी किसी प्रकार के अपशब्दों का प्रयोग नही किया। पर ड्राइवर भडक गया। दरअसल फोन लाउड स्पीकर पर था ।और वह बातचीत सुन रहा था। इतने में ड्राइवर ने फिर से थप्पड मारा और हाथापाई करने लगा। हालांकि दूसरे सज्जन ड्राइवर ने उसे रोका। इसी बीच ड्राइवर ने फोन करके दो बदमाशों को भी स्पॉट पर बुला लिया। किरण के मुताबिक दरअसल उनका अंदेशा /योजना लूटपाट करने की थी। लेकिन पीडित की साइड लेने वाले तीन चार लोगों के होने की वजह से बाइक से आए बदमाश भाग निकले।

पीडित किरण वर्मा ने यूपी पुलिस को फोन किया ,लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। कुछ देर बाद ही पीडित की शिकायत को भी ओला नें बंद कर दिया। वहीं दूसरे सज्जन ड्राइवर ने ओला कंपनी की असलियत से रूबरू कराते हुए बताया कि ड्राइवर के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी ।बस उसे कंपनी ब्लेक लिस्ट कर देगी। अब ये हालात है कि इस घटना को एक महीने से ज्यादा का वक्त बीत चुका है ।लेकिन ओला कंपनी की ओर से मुझे आजतक कोई कांट्रैक्ट नही किया गया। थक-हार कर इस घटना को Linked पर सांझा किया है। पीडित का कहना है कि सांझा करने का मकसद सिर्फ इतना है कि ओलाआनलाइन का प्रयोग बंद कर दें। क्योंकि ये आपकी सुरक्षा के साथ खिलवाड करते हैं। Linked पर पीडित ने लिखा कि यह पोस्ट वायरल हो रही है और ओला पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

इनसाइड

प्रेग नेंसी में मोबाइल रेडिएशन से दूरी बनाना जरूरी वरना शिशु को हो सकता है मेंटल प्रॉब्लम

अगर गर्भवती महिला के आसपास अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन है, तो उसके पेट में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर बहुत ही बुरा असर पड़ सकता है. यही नहीं, बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ सकता है. जानें, प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल रेडिएशन से अजन्मे बच्चे के विकास में क्या समस्या आ सकती है और इससे कैसे बचा जा सकता है. हम सभी सुनते आए हैं कि अधिक मोबाइल फोन का इस्तेमाल हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाता है. खासतौर पर प्रेग्नेंट महिला और उसके पेट मे पल रहे बच्चे के लिए ये और भी खतरनाक हो सकता है. प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से पेट में पल रहे बच्चे के विकास पर बुरा असर पड़ता है और इसकी वजह से प्रीमेच्योर डिलीवरी तक हो सकती है. केवल मां ही नहीं, अगर मां के आस पास लोग वायरलेस चीजों का अधिक इस्तेमाल कर रहे है तो इसका भी भ्रूण में पल रहे बच्चे पर खराब असर पड़ सकता है. मॉमजंक्शनमें छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, येल स्कूल ऑफ मेडिसिन में किए गए शोध में पाया गया है कि अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन में अगर गर्भवती मां रहती है तो जन्म के बाद बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ता है. यही नहीं, इसकी वजह से गर्भ में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है. तो आइए जानते हैं कि प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से बच्चे को क्या नुकसान हो सकता है और हम इससे कैसे बच सकते हैं.

वायरलेस डिवाइस कैसे करता है प्रभावित

दरअसल जब हम मोबाइल, लैपटॉप या किसी भी तरह के वाइफाई या वायरलेस डिवाइस के संपर्क में आते हैं तो इससे हर वक्त इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडियो वेव्स निकलते रहते हैं. ये वेव्स हमारे शरीर के डीएनए को डैमेज करने की क्षमता रखते हैं और हमारे शरीर में बन रहे जीवित सेल्स के मोलक्यूल्स को बदल सकते हैं. जिसका असर लॉग टर्म काफी खतरनाक हो सकता है. चूंकि भ्रूण हर वक्त ग्रोथ कर रहा है ऐसे में उसके डीएनए और लीविंग सेल्स आसानी से इसकी चपेट में आ सकते हैं. जिसका दूरगामी असर भी काफी खतरनाक हो सकता है.

क्या कहता है शोध

अलग अलग शोधों में पाया गया कि मोबाइल के इस्तेमाल से बच्चे पर कोई खास असर नहीं पड़ता लेकिन अगर मां और बच्चा 24 घंटे मोबाइल रेडिएशन के बीच हैं तो बच्चे की मेमोरी, ब्रेन ग्रोथ और बिहेवियर में खतरनाक रूप से समस्या आ सकती है. शोधों में यह भी पाया किया गया कि प्री और पोस्ट डिलीवरी के बाद ऐसे बच्चों में हाइपरटेंशन की समस्या हो जाती है जो समय के साथ बढ़ती जाती है. यही नहीं, बच्चे की भाषा, संचार पर भी इसका बुरा असर पड़ता है.

इस तरह करें बचाव

- घर में जहां तक हो सके वाई फाई या ब्लूटूथ उपकरणों का इस्तेमाल कम करें.
- बेहतर होगा अगर आप मोबाइल की बजाय लैंड लाइन फोन का इस्तेमाल करें.
- रेडियो, माइक्रोवेव, एक्सरे मशीन आदि से दूरी बनाएं.
- मोबाइल टावर आदि के आस पास घर ना लें.

गर्भावस्था में मोबाइल के नुकसान

-गर्भवती महिलाओं में रेडिएशन से मस्तिष्क की गतिविधि पर भी प्रभाव पड़ सकता है जिससे थकान, चिंता और नींद में रुकावट पैदा होती है.

-गर्भावस्था के दौरान रेडियो वेव्स के लगातार संपर्क से आगे जाकर कैंसर का खतरा बन सकता है.

-मां गर्भावस्था के दौरान फोन का अधिक इस्तेमाल करे या काफी करीबी लोग घर पर इसका इस्तेमाल करें तो बच्चे के व्यवहार में 50 प्रतिशत बदलाव देखने को मिलता है.

-ऐसे बच्चे अधिक एग्रेसिव और हाइपरटेंशन के पेशेंट हो जाते हैं.

उम्र हो रही है 40 के पार? 20 की एनर्जी और नूर के लिए डाइट में शामिल करें 6 चीजें, हेल्थ भी रहेगी दुरुस्त

चालीस की उम्र में आते-आते हर महिला की लाइफ में कई बदलाव आते हैं, जिसके चलते सेहत सम्बन्धी कई तरह की दिक्कतें आने लगती हैं. वहीं एनर्जी लेवल भी कम होने लगता है, जिसके चलते चेहरे का नूर भी फीका पड़ने लगता है. आप 40 की उम्र में भी 20 वाला निखार और एनर्जी बनाए रखना चाहती हैं तो आपको कुछ चीजों (Anti Aging Food) को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए. हेल्थलाइन डॉट कॉम के अनुसार, आपको बताते हैं महिलाओं की डाइट के लिए जरूरी चीजों के बारे में.

आज की महिला घर के साथ साथ बाहर जाकर काम करने में भी सक्षम है। किन्तु प्रत्येक दिन की भाग दौड़ भरी ज़िंदिगी में वह अपने शरीर, दिल और दिमाग का ध्यान रखना भूल जाती हैं। ऐसी बहुत सी समस्यायें होती हैं जिनपर महिलायें ध्यान नहीं देती और यही छोटी छोटी समस्याएं भविष्य में भयंकर रूप धारण कर लेती हैं। महिलायें अपने परिवारजनों का ध्यान तो रखती हैं परन्तु स्वयं के लिए समय नहीं निकाल पाती हैं।

परिवार और प्रियजनों का ध्यान रखने के लिए महिलाओं को सर्वप्रथम स्वयं को स्वस्थ रखना होगा। यहाँ हमने महिलाओं के स्वास्थ्य से जुडी कुछ महत्वपूर्ण और आसान हेल्थ टिप्स – Health Tips in Hindi for women Body के बारे में बताया है। इन टिप्स की सहायता से वे अपनी जीवनशैली में कुछ बदलाव ला सकेंगी साथ ही सही आहार, व्यायाम और तनाव-राहत योजना भी आसानी से कर पायेंगी।

प्रतिदिन व्यायाम/ एक्सरसाइज करें
अपना वजन कम करें (वजन नियंत्रित रखें)
समय समय पर डॉक्टर के पास जाएँ
तनाव कम करें

एक महिला ही नहीं अपितु किसी भी मनुष्य के स्वस्थ रहने के लिए सबसे आवश्यक है कि उसका दिल, दिमाग और शरीर स्वस्थ रहे। यहाँ हमने एक महिला के लिए कुछ टिप्स बताये हैं कि कैसे वह अपने दिल दिमाग और शरीर को स्वस्थ रख सकती है। उसके बाद हम इस लेख में कुछ अन्य हेल्थ टिप्स के बारे में बताएंगे। आइये जानते हैं कैसे एक महिला अपने दिल दिमाग और शरीर को स्वस्थ रख सकती है –

अधिक से अधिक फल और सब्जियां खाएं।
साबुत अनाज चुनें, सफेद की जगह ब्राउन राइस ट्राई करें। मैदा की जगह, गेहूं से बने पास्ता खाएं ।
चिकन, मछली, सेम, और फलियां जैसे लीन प्रोटीन को चुनें।
अत्यधिक प्रोसेस्ड फ़ूड, चीनी, नमक, और सैचुरेटेड फैट में कटौती करें।

प्रतिदिन व्यायाम/ एक्सरसाइज करें

आप जितने सक्रिय रहते हैं, उतना ही बेहतर होता है। नित्य व्यायाम हमारे दिल को हेल्दी बनता है, मांसपेशियों और हड्डियों की शक्ति बढ़ाता है, और अभी प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करता है।

सप्ताह में 2 से 4 घंटे की मध्यम गतिविधि, जैसे तेज चलना या नृत्य अवश्य करें। इसके अलावा आप सप्ताह में 1 घंटा 15 मिनट दौड़ने या टेनिस खेलने जैसी क्रियाएं भी कर सकते हैं। साथ ही अपनी शक्ति और ताकत बढ़ाने पर भी ध्यान दें।

यदि आप ऑफिस के कार्यों में व्यस्त रहते हैं, तो पूरे दिन छोटी-छोटी गतिविधियाँ करने की कोशिश करें। जितना हो सके चलें, एक दिन में कम से कम 10,000 कदम चलने का लक्ष्य बनाएं।

अपना वजन कम करें (वजन नियंत्रित रखें)

यदि आप अपना वजन नियंत्रित रखते हैं, तो आपको हृदय रोग, टाइप 2 डायबिटीज और कैंसर का खतरा कम हो जाता है। इसके लिए आप धीरे धीरे अपना वजन कम (सप्ताह में 1-2 पाउंड) करें- सक्रिय रहें और अच्छी डाइट लें।

वजन कम करने के लिए व्यायाम करना अत्यंत आवश्यक है। यदि आप बहुत अधिक वजन कम करना चाहते हैं, तो सप्ताह में 300 मिनट व्यायाम करने का प्रयास करें।

स्वस्थ आहार खाने से आप जल्दी ही अपना वजन कम कर सकते हैं। अपने डाइट से शुगर को कम करें, सोडा और चीनी युक्त कॉफी पेय से भी बचने की कोशिश करें।

समय समय पर डॉक्टर के पास जाएँ

समय समय पर अपने शरीर की नियमित जांच करवाते रहें। आपका डॉक्टर आपके मेडिकल हिस्ट्री की मदद से आपको स्वस्थ रहने में मदद कर सकता है।

आपका डॉक्टर आपके स्वास्थ्य की जाँच करने और इलाज के सही विकल्पों के लिए स्क्रीनिंग परीक्षणों की सिफारिश कर सकता है।

अपने स्वास्थ्य से सम्बंधित मुद्दों पर अपने डॉक्टर से बात करते रहें। "यदि आपके कोई प्रश्न हैं, तो अपने डॉक्टर से पूछें"।

यदि आप किसी दवा या प्रक्रिया के बारे में चिंतित हैं, तो उसके बारे में उससे बात करें।

तनाव कम करें

यदि आप तनाव या स्ट्रेस लेती हैं तो यह आपके स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। आप इसे पूरी तरह से टाल नहीं सकती हैं, लेकिन आप इसके प्रभाव को कम करने के तरीकों को जानकर इसपर नियंत्रण कर सकती हैं।

यदि आप तनाव दूर करना चाहती हैं तो प्रयास करें:

गहरी साँस लेना
ध्यान
योग और योगासन
मालिश
व्यायाम
पौष्टिक भोजन
किसी मित्र, परिवार के सदस्य या पेशेवर परामर्शदाता से बात करना
पूरे दिन में अपने शरीर और अपने स्वास्थ्य को समय अवश्य दें।

अखिल भारतीय मानव क कल्याण ट्रस्ट के संस्थापक डॉ हृदयेश कुमार ने बताया कि

स्ट्रेस कम लें: जितना हो सके महिलाओं को स्ट्रेस नहीं लेना चाहिए। स्ट्रेस या तनाव से बांझपन से लेकर डिप्रेशन, चिंता, और हृदय रोग होने के उच्च जोखिम जुड़े होते हैं।

ऐसे भोजन का सेवन कम करें जोजो फैट युक्त और कैलोरी युक्त हो। अपने भोजन में लीन प्रोटीन, हेल्दी फैट, स्मार्ट कार्ब्स और फाइबर को शामिल करें।

अत्यधिक कैल्शियम न लें: बहुत अधिक अवशोषित कैल्शियम गुर्दे की पथरी के खतरे को बढ़ा सकता है और यहां तक कि हृदय रोग के जोखिम को भी बढ़ा सकता है। यदि आप 50 वर्ष से कम उम्र के हैं, तो प्रति दिन 1,000 मिलीग्राम से अधिक कैल्शियम न लें, जबकि 50 से अधिक आयु की महिलाओं को प्रति दिन 1,200 मिलीग्राम कैल्शियम लेना चाहिए।

कार्डियो व अन्य एक्सरसाइज: महिलाओं को ऑस्टियोपोरोसिस, हृदय रोग, कैंसर और मधुमेह को रोकने में मदद करने के लिए सप्ताह में कम से कम तीन से पांच बार कार्डियो और वजन उठाने वाली एक्सरसाइज जैसे डंबल उठाना इत्यादि करनी चाहिए। व्यायाम भी अच्छी आत्म-छवि को बढ़ावा देता है, जो वास्तव में एक महिला के मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।

जन्म नियंत्रण (बिरथ कण्ट्रोल) की सराहना करें: जन्म नियंत्रण को बुरा माना जाता है, लेकिन एक अध्ययन से पता चलता है कि यह न केवल आपके तैयार न होने पर आपको गर्भवती होने से रोक सकता है, बल्कि यह गर्भाशय और ओवेरियन कैंसर के जोखिम को भी कम कर सकता है और साथ ही साथ आपके पीरियड्स को नियंत्रित कर सकता है।

भरपूर नींद लें: आयु के साथ साथ नींद की ज़रूरतें अलग-अलग होती हैं, लेकिन अगर आपको बिस्तर से बाहर निकलने में परेशानी होती है, आसानी से थक जाते हैं, या ध्यान केंद्रित करने में परेशानी होती है, तो अवश्य ही आप पर्याप्त रूप से नींद नहीं ले रहें हैं। हाल के अध्ययनों से पता चलता है कि यह आपको हृदय रोग और मनोवैज्ञानिक समस्याओं के जोखिम में डाल सकता है।

आजकल डॉक्टर स्तन कैंसर, ओवेरियन कैंसर और पुरानी बीमारियों के पारिवारिक इतिहास वाले लोगों की स्क्रीनिंग भी करते हैं और फिर इसके निवारक उपायों पर विचार करके सही उपचार करते हैं। ऐसी किसी समस्या के लिए आज ही अपने डॉक्टर से बात करें।

शराब और धूम्रपान न करें: यदि आप स्वस्थ रहना चाहती हैं तो सर्वप्रथम इस बात का ध्यान रखने कि शराब और धूम्रपान न करें। इस प्रकार के व्यसन अनेक बीमारियों और कैंसर, हृदय रोग जैसी जानलेवा बीमारियों को आकर्षित करते हैं। कोशिश करें इनका सेवन न करें।

मौखिक स्वास्थ्य पर दें ध्यान: आमतौर पर देखा जाता है कि हम मोखिक स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान नहीं देते। शरीर के अन्य भागों के समान मौखिक स्वास्थ्य भी अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। प्रातः उठकर और सोने से पहले अपने दाँतों को अवश्य साफ़ करें और किसी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत डेंटिस्ट को दिखाएँ।

इन सभी आसान हेल्थ टिप्स को अपनाकर एक महिला अपने आपको स्वस्थ रख सकती है। ये सभी टिप्स और योजनाएं उसके दिमाग ही नहीं दिल और शरीर का भी ध्यान रखेंगी।

पीपल वृक्ष वैदिक महत्व एवं पूजन

पीपल वृक्ष वेदों और पुराणों में बहुत महत्वपूर्ण है। पीपल की उत्पत्ति और महत्व के बारे में वेद और पुराणों में कई सूक्ति और श्लोक लिखे गए हैं।

ऋग्वेद में पीपल का उल्लेख ₹अश्वत्थो वृक्षो अर्कः₹ इस पंक्ति से किया गया है।

यजुर्वेद में पीपल का विस्तृत वर्णन किया गया है। इसमें पीपल को ₹देवो वृक्ष₹ और "विश्वप्रसूति" भी कहा गया है।

अथर्ववेद में पीपल को बहुत महत्वपूर्ण बताया गया है। अथर्ववेद के एक श्लोक में कहा गया है

"अश्वत्थो वृक्षो विश्वस्य रूपमेतत सनातनं तद्योर्मगं प्रपद्ये स वेद यस्तं वेद सर्वम्"

इसका अर्थ होता है, "पीपल वृक्ष विश्व का रूप है और यह सनातन है। जो इसके नीचे बैठता है, वह सब कुछ जानता है।"

भगवद गीता में भी पीपल के बारे में उल्लेख किया गया है।

"अश्वत्थः सर्ववृक्षाणां देवर्षीणां च नारदः। गन्धर्वाणां चित्ररथः सिद्धानां कपिलो मुनिः।।"

इसका अर्थ होता है, ₹पीपल वृक्ष सभी वृक्षों में सबसे ऊँचा होता है। नारद और गन्धर्वों के रथ भी इसके बीच से गुजरते हैं। सिद्धों में कपिल मुनि भी इसके नीचे बैठते हैं।"

पद्म पुराण में भी पीपल के महत्व का वर्णन किया गया है। इसमें कहा गया है कि पीपल के पेड़ के नीचे बैठने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है। इसके अलावा, पद्म पुराण में पीपल की महिमा के बारे में कई कथाएं भी हैं। उनमें से एक कथा बताती है कि भगवान विष्णु ने पीपल के वृक्ष को अपना आश्रय दिया था।

उपनिषदों की बात करें तो उपनिषदों में भी पीपल का विस्तृत वर्णन किया गया है। उपनिषदों में पीपल को ₹बोधि वृक्ष₹ भी कहा जाता है। उपनिषदों के अनुसार, पीपल का वृक्ष ब्रह्माण्ड का प्रतीक होता है और इसे में जीवित और मृतक दोनों जीवों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। वैदिक काल से ही पीपल का पूजन किया जाता रहा है। पीपल को दीपावली, होली, नवरात्रि, शिवरात्रि जैसे धार्मिक उत्सवों में भी पूजा जाता है। पूजन के दौरान पीपल के नीचे दीपक जलाया जाता है और पीपल की पत्तियों का प्रयोग भी किया जाता है। पीपल की पत्तियां लेकर पूजा के दौरान मंत्रों का जाप किया जाता है और इसके द्वारा धार्मिक उपलब्धियों की प्राप्ति की जाती है। पीपल का महत्व वैदिक काल से ही रहा है और धार्मिक उत्सवों में इसका पूजन किया जाता है। इसके अलावा, वैदिक साहित्य में पीपल को महत्वपूर्ण औषधि के रूप में भी बताया गया है। उसकी पत्तियों, छाल और बीजों से कई रोगों के उपचार किए जाते हैं।

इस प्रकार, वेदों और पुराणों में पीपल वृक्ष के महत्व का विस्तृत वर्णन किया गया है। यह एक पवित्र वृक्ष माना जाता है जिसका पूजन और उपासना वैदिक संस्कृति में बहुत महत्वपूर्ण है। वैदिक काल में पीपल का पूजन बहुत ही महत्वपूर्ण था। पीपल के पूजन के लिए वैदिक साहित्य में विधियां बताई गई हैं।

पीपल का पूजन करने के लिए निम्न विधि का पालन किया जाता है:

1. सबसे पहले पीपल के पेड़ के नीचे एक माला या रुद्राक्ष माला फैलाएं।

2. फिर पीपल की स्थापना करें। स्थापना के लिए पीपल की जड़ पर अर्घ्य चढ़ाएं। अर्घ्य के लिए गंगा जल, दूध या तिलक चढ़ाएं।

3. फिर पीपल की पत्तियों को साफ करें और उन्हें शुद्ध जल से धोएँ।

4. अब पीपल की पत्तियों को वस्त्र या कपड़े से साफ करें।

5. अब पीपल के नीचे बैठें और माला या रुद्राक्ष माला लेकर मंत्रों का जाप करें।

6. पीपल पूजन के दौरान भगवान विष्णु का ध्यान करें और उन्हें ध्यान में रखें।

7. पूजन के बाद पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाएं।

8. अंत में प्रसाद बांटें।

इसप्रकार, पीपल के पूजन के लिए वैदिक साहित्य में बताई गई विधि होती है। पीपल का पूजन करने से स्वस्थ और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

पीपल वृक्ष का महत्व धार्मिक तथों के साथ-साथ वैज्ञानिक तथ्यों में भी होता है। इसे एक पवित्र वृक्ष माना जाता है जो मानव जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। आधुनिक युग में पीपल वृक्ष के कुछ प्रमुख वैदिक और वैज्ञानिक तथ्य निम्न हैं

1. पीपल वृक्ष को एक पवित्र वृक्ष माना जाता है जो सारे ब्रह्माण्ड के लिए महत्वपूर्ण है। इसे विश्ववृक्ष और देववृक्ष भी कहा जाता है।

2. पीपल वृक्ष को शिव का प्रतीक माना जाता है। सभी शिवलिंगों के नीचे पीपल के पेड़ होते हैं।

3. पीपल के पेड़ का जीवनकाल लगभग 200 से 300 साल होता है। इससे ज्यादा उम्र के पीपल के पेड़ भी होते हैं।

4. पीपल के पेड़ के लकड़ी और पत्तियों में एंटीबायोटिक गुण होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक तत्वों की तरह काम करते हैं।

5. पीपल के नीचे जल रखने से पेट के कई रोगों से छुटकारा मिलता है। इससे सम्बंधित एक वैज्ञानिक तथ्य है कि पीपल के नीचे जमा पानी में एचआईवी वायरस और अन्य कई जीवाणुओं के लिए अविरोधी गुण होते हैं।

6. पीपल के नीचे बैठने से शरीर को शक्ति मिलती है और चित्त शांति प्राप्त होती है। यह एक वैदिक तथ्य है।

7. पीपल के नीचे ज्योतिषीय दृष्टि से धन, समृद्धि और सुख की प्राप्ति होती है।

8. पीपल के पेड़ की जड़ और तने बहुत गहरे होते हैं और इसलिए इसके नीचे कुछ नहीं उगता। इससे पीपल के पेड़ का प्रभाव नजर आता है जैसे कि यह अपनी विशालता के कारण उस स्थान का शासक है।

9. पीपल के पत्तों के रंग विभिन्न रंगों में होते हैं, जैसे हरा, पीला, लाल और गुलाबी।

10. पीपल के लकड़ी का उपयोग विभिन्न उद्योगों में किया जाता है, जैसे कि चिप्स, फर्नीचर, खोदने के उपकरण आदि।

11. पीपल को जीवनदायी माना गया है और इसे बनाने के लिए विभिन्न पूजा-अर्चना विधियों का अनुसरण किया जाता है।

12. पीपल के पत्तों का सेवन करने से शरीर को विटामिन C, विटामिन के साथ-साथ अन्य पोषक तत्वों का भी अच्छा स्रोत मिलता है।

13. पीपल के लकड़ी का रस एक तरह की स्पष्ट तरल पदार्थ होता है इसे दाहिने हाथ को गर्म करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

14. पीपल का फल शीतल तत्वों का अच्छा स्रोत होता है। इसलिए, गर्मियों में इसका सेवन करना शरीर को ठंडा करने में मदद करता है।

15 . पीपल के पत्तों का रस कई तरह के त्वचा रोगों के इलाज में उपयोगी होता है।

दिल्ली ट्रैफिक एडवाइजरी: दिल्ली में 3 दिन बंद रहेंगे ये रास्ते, घर से निकलने से पहले जान लें ट्रैफिक एडवाइजरी

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में स्टेडियम में पांच से 13 मार्च और 15 व 17 मार्च को टाटा महिला प्रीमियर लीग-2024 के क्रिकेट मैच खेले जाएंगे। इसके कारण दिल्ली के कई रास्तों पर मैच के दिन यातायात प्रतिबंधित रहेगा। इसको लेकर पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में लोगों को सलाह दी गई कि इन रास्तों पर जानें से बचें।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टेडियम में स्टेडियम में पांच से 13 मार्च और 15 व 17 मार्च को टाटा महिला प्रीमियर लीग-2024 के क्रिकेट मैच खेले जाएंगे, जिसके चलते यातायात प्रभावित रहेगा। मैचों में आने वाली भीड़ को देखते हुए दिल्ली यातायात पुलिस ने स्टेडियम और उसके आसपास यातायात प्रतिबंध लगाये है।

इन मार्गों पर रहेगा परिवर्तन व प्रतिबंध

दरियागंज से बहादुरशाह ज़फर मार्ग और गुरुनानक चौक से आसफ अली रोड तक सड़कों पर भारी वाहन और बसों को अनुमति नहीं दी जाएगी।

मैच के दिन शाम साढे.चार बजे से रात 12 बजे तक राजघाट से जवाहर लाल नेहरू मार्ग, कमला मार्केट से राजघाट तक जवाहर लाल नेहरू मार्ग, तुर्कमान गेट से दिल्ली गेट तक आसफ अली रोड, बहादुरशाह ज़फर मार्ग रामचरण अग्रवाल चौक से दिल्ली गेट तक आने से बचें।

इस तरह होगा स्टेडियम में प्रवेश

गेट नंबर एक से सात नंबर गेटों पर प्रवेश बहादुरशाह से होगा।

गेट नंबर आठ से 15 नंबर गेटों में प्रवेश अम्बेडकर स्टेडियम बस टर्मिनल के बगल में जवाहर लाल नेहरू मार्ग से होगा।

गेट संख्या 16 से 18 गेटों में प्रवेश बहादुरशाह जफर मार्ग, पेट्रोल पंप के पास से होगा

वैध पार्किंग लेबल वाले वाहनों के लिए पार्किंग

स्टेडियम के निकट लेबल वाले वाहनों के लिए सीमित पार्किंग उपलब्ध है। बिना वैध पार्किंग लेबल वाले वाहनों को स्टेडियम के नजदीक जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कार पार्किंग लेबल धारकों को रिंग रोड, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, आसफ अली रोड और बहादुरशाह जफर मार्ग का प्रयोग करना होगा। पार्किंग स्थल पी 1,पी3, और पी4 में प्रवेश केवल बहादुरशाह जफर मार्ग से होगा।

बिना पार्किंग लेबल वाले वाहनों के लिए पार्किंग

माता सुंदरी पार्किंग, शांति वन पार्किंग, वेल्ड्रोम रोड के नीचे

सड़क पर वाहन खडे करने पर होगी कार्रवाई

मैच के दिन बहादुरशाह जफर मार्ग, जवाहर लाल नेहरू मार्ग और टिंग टोड पर राजघाट से आईपी फ्लाइओवर तक किसी भी वाहन को खड़ा करने की अनुमित नहीं होगी। सड़क पर खडे वाहनों को क्रेन द्वारा उठा लिया जाएगा।

यातायात निर्देशिका

टाटा वीमेन प्रीमियर लीग -2024, 05 मार्च 2024 से 13 मार्च, 15 मार्च और 17 मार्च 2024 को अरूण जेटली स्टेडियम में क्रिकेट मैंचो के संबंध में

टाटा महिला प्रीमियर लीग -2024, 05 मार्च 2024 से 13 मार्च, 15 मार्च और 17 मार्च 2024, को अरूण जेटली स्टेडियम में खेले जाने निर्धारित किये गये हैं। आम जनता की सुविधा और सुरक्षा कारणों से, स्टेडियम में और उसके आसपास कुछ यातायात प्रतिबंध लगाये जाते हैं।

परिवर्तन/प्रतिबंध

दरियागंज से बहादुरशाह ज़फर मार्ग और गुरूनानक चौक से आसफ अली रोड तक सड़कों पर किसी भी भारी वाहन और बसों को अनुमति नहीं दी जाएगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे मैच के दिन शाम को 04:30 बजे से रात 12 बजे तक निम्नलिखित सड़कों का प्रयोग करने से बचें, जब दर्शक स्टेडियम में आ रहे होंगे और सड़क पर भीड़भाड़ आपेक्षित है-

- राजघाट से जवाहर लाल नेहरू मार्ग
- कमला मार्केट से राजघाट तक जवाहर लाल नेहरू मार्ग
- तुर्कमान गेट से दिल्ली गेट तक आसफ अली रोड
- बहादुरशाह ज़फर मार्ग रामचरण अग्रवाल चौक से दिल्ली गेट तक

स्टेडियम में प्रवेश

- गेट नंबर 1,2,3,4,5,6 और 7 स्टेडियम के दक्षिणी हिस्से में स्थित हैं और इन गेटों पर प्रवेश बहादुरशाह ज़फर मार्ग से अनुमत किया जायेगा।
- गेट नंबर 8,9,10,11,12,13,14 और 15 सड़क पर स्टेडियम के पूर्वी हिस्से में स्थित हैं और इन गेटों में प्रवेश अम्बेडकर स्टेडियम बस टर्मिनल के बगल में जवाहर लाल नेहरू मार्ग से अनुमत किया जायेगा।
- गेट संख्या 16,17 और 18 स्टेडियम के पश्चिमी तरफ स्थित हैं और इन गेटों में प्रवेश बहादुरशाह जफर मार्ग, पेट्रोल पंप के पास से अनुमत किया जाएगा।

#DPTrafficAdvisory

Delhi Traffic Police | @dtptraffic

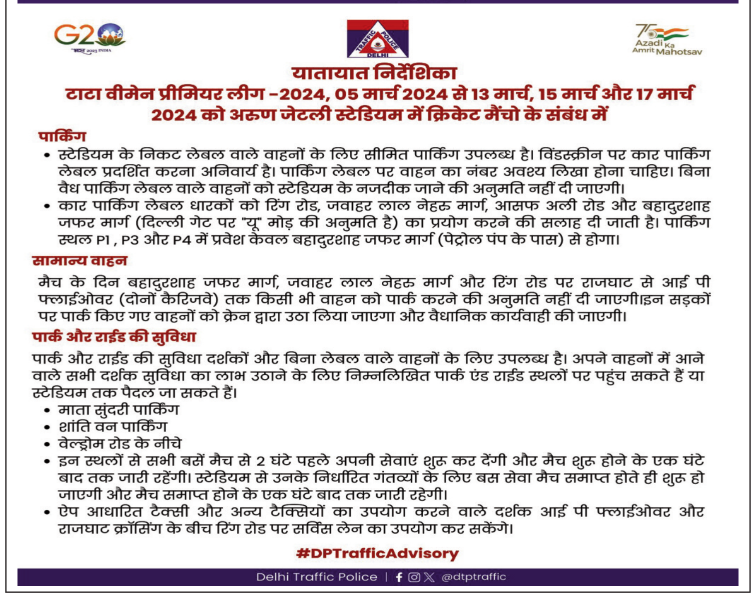

यातायात निर्देशिका

टाटा वीमेन प्रीमियर लीग -2024, 05 मार्च 2024 से 13 मार्च, 15 मार्च और 17 मार्च 2024 को अरूण जेटली स्टेडियम में क्रिकेट मैंचो के संबंध में

पार्किंग

- स्टेडियम के निकट लेबल वाले वाहनों के लिए सीमित पार्किंग उपलब्ध है। विंडस्क्रीन पर कार पार्किंग लेबल प्रदर्शित करना अनिवार्य है। पार्किंग लेबल पर वाहन का नंबर अवश्य लिखा होना चाहिए। बिना वैध पार्किंग लेबल वाले वाहनों को स्टेडियम के नजदीक जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- कार पार्किंग लेबल धारकों को रिंग रोड, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, आसफ अली रोड और बहादुरशाह जफर मार्ग (दिल्ली गेट पर "यू" मोड़ की अनुमति है) का प्रयोग करने की सलाह दी जाती है। पार्किंग स्थल P1 , P3 और P4 में प्रवेश केवल बहादुरशाह जफर मार्ग (पेट्रोल पंप के पास) से होगा।

सामान्य वाहन

मैच के दिन बहादुरशाह जफर मार्ग, जवाहर लाल नेहरू मार्ग और रिंग रोड पर राजघाट से आई पी फ्लाईओवर (दोनों कैरिजवे) तक किसी भी वाहन को पार्क करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।इन सड़कों पर पार्क किए गए वाहनों को क्रेन द्वारा उठा लिया जाएगा और वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

पार्क और राईड की सुविधा

पार्क और राईड की सुविधा दर्शकों और बिना लेबल वाले वाहनों के लिए उपलब्ध है। अपने वाहनों में आने वाले सभी दर्शक सुविधा का लाभ उठाने के लिए निम्नलिखित पार्क एंड राईड स्थलों पर पहुंच सकते हैं या स्टेडियम तक पैदल जा सकते हैं।

- माता सुंदरी पार्किंग
- शांति वन पार्किंग
- वेल्ड्रोम रोड के नीचे
- इन स्थलों से सभी बसें मैच से 2 घंटे पहले अपनी सेवाएं शुरू कर देंगी और मैच शुरू होने के एक घंटे बाद तक जारी रहेंगी। स्टेडियम से उनके निर्धारित गंतव्यों के लिए बस सेवा मैच समाप्त होते ही शुरू हो जाएगी और मैच समाप्त होने के एक घंटे बाद तक जारी रहेगी।
- ऐप आधारित टैक्सी और अन्य टैक्सियों का उपयोग करने वाले दर्शक आई पी फ्लाईओवर और राजघाट क्रॉसिंग के बीच रिंग रोड पर सर्विस लेन का उपयोग कर सकेंगे।

#DPTrafficAdvisory

Delhi Traffic Police | @dtptraffic

रोहतक रोड पर मेट्रो पिलर के पास बोरे में शख्स की लाश मिलने से हड़कंप, नहीं हो पाई शिनाख्त....

पंजाबी बाग में एक अज्ञात व्यक्ति की लाश बोरे में मिलने से हड़कंप मच गया। शव की हालत काफी खराब थी। अंदेशा है कि हत्या कर शव को यहां पर फेंका गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है। पुलिस हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है।

पश्चिमी दिल्ली। पंजाबी बाग में एक अज्ञात व्यक्ति की लाश बोरे में मिलने से हड़कंप मच गया। शव की हालत काफी खराब थी। अंदेशा है कि हत्या कर शव को यहां पर फेंका गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है। पुलिस हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है।

पुलिस अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक 2 मार्च को ढाई बजे के करीब पंजाबी बाग थाना क्षेत्र की पुलिस को सूचना मिली कि रोहतक रोड मेट्रो पिलर नंबर 124 के फुटपाथ पर एक लावारिस बोरा पड़ा हुआ है। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और उसने बोरे को काटा। बोरे के अंदर एक अज्ञात व्यक्ति का शव था जिसे देखकर पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए, क्योंकि शव की हालत काफी खराब थी। इसके बाद पुलिस कर्मियों ने आसपास के लोगों से पूछताछ की।

शव की नहीं हो पाई शिनाख्त

सूचना पर मोबाइल क्राइम टीम ने घटनास्थल की जांच की और साक्ष्य जुटाए। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा। हालांकि शव की पहचान नहीं हुई है। मौत का कारण पता चला है। वहीं पुलिस का कहना है कि पंजाबी बाग थाने में हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है। इस पर काम करने के लिए कई टीमें बनाई जा रही हैं।

सड़कों पर भरा सीवर का गंदा पानी, आवाजाही में हो रही परेशानी; शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नहीं

उत्तम नगर के सेवक पार्क में सीवर लाइन ब्लॉक होने से पिछले दो हफ्तों से गंदा पानी सड़कों पर भरा है। जिसकी वजह से वहां के लोगों को आने-जाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही गंदे पानी से बदबू भी आ रही है जिसकी वजह से लोगों के बीमार होने की संभावना है। स्थानीय लोगों ने एमसीडी से शिकायत भी की।

नईदिल्ली। उत्तम नगर के सेवक पार्क में सीवर लाइन ब्लॉक होने से पिछले दो हफ्तों से गंदा पानी सड़कों पर भरा है। जिसकी वजह से वहां के लोगों को आने-जाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही गंदे पानी से बदबू भी आ रही है, जिसकी वजह से लोगों के बीमार होने की संभावना है। स्थानीय लोगों ने पानी की निकासी के लिए एमसीडी से शिकायत भी की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

उत्तम नगर के सेवक पार्क में काफी संख्या में लोग रहते हैं। घरों के साथ-साथ इस जगह पर लोगों की दुकानें भी हैं। पिछले दो हफ्तों से शिव विहार, बीटू ब्लॉक, डी ब्लॉक की सड़कों पर सीवर का पानी ओवरफ्लो हो रहा है, जिसकी वजह से सड़कों पर गंदा पानी भर गया है। गंदा पानी होने से पूरे इलाके में बदबू आ रही है। ऐसे में पैदल निकलने वाले बच्चों और बुजुर्गों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही घरों में रहने वालों को भी काफी मुश्किल हो रही है।

कई बार शिकायतों के बावजूद सुनवाई नहीं

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई विभागों में शिकायत कर चुके हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। वहीं इस बारे में पार्षद दीपक वोहरा का कहना है कि सीवर का काम चल रहा है। पानी निकाला जा रहा है।

कई दिनों से सीवर का पानी सड़कों पर बह रहा है, कोई सुनने वाला नहीं है। एमसीडी से लेकर पार्षद तक सब से शिकायत कर चुके हैं। कोई काम नहीं करवा रहा है। गंदा पानी भरने से दुकान पर बैठा भी नहीं जा रहा है। - **अरुण, स्थानीय निवासी**

आरडब्लयूए तक सुनवाई हो रही है, इसके आगे हमारी कोई नहीं सुन रहा है। कई दिनों से यह गंदा पानी सड़कों पर भरा है जिसकी वजह से यहां रहना मुश्किल हो गया है। - **संजय सिंह, स्थानीय निवासी**

सहयोग अर्बन थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड का उद्घाटन

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को स्वरोजगार और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सहयोग अर्बन थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड का उद्घाटन आज मिल्ली मॉडल स्कूल, अबुल फज़ल , नई दिल्ली के परिसर में किया गया। जिसमें कई हस्तियों ने अपने विचार व्यक्त किये।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने सहयोग के उद्घाटन के दौरान अपने भाषण में कहा कि जिस तरह से माइक्रोफाइनेंस और शिक्षा को लेकर दक्षिण भारत में काम हुआ है. इसी तरह हमारी सरकार के दौरान उत्तर भारत में भी माइक्रो फाइनेंस और शिक्षा के क्षेत्र में काम करने का यही पैटर्न अपनाने का प्रयास किया गया। लेकिन कुछ लापरवाही के कारण ऐसा नहीं हो सका. लेकिन अब सहयोग थ्रिफ्ट सोसाइटी के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेकर इस लंबे समय से चली आ रही इच्छा को पूरा होते देख मुझे खुशी हो रही है।

साहियुग अर्बन थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के अध्यक्ष शम्स उज़ जुहा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि मैंने जामिया मिलिया इस्लामिया में शिक्षा प्राप्त की है और तीन दशकों से अधिक समय से इस क्षेत्र में रह रहा हूं, क्षेत्र के गरीब वर्गों के कल्याण के उद्देश्य के तहत इस थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट सोसायटी की स्थापना का विचार मेरे मन में आया।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मेरा ध्यान इस क्षेत्र के लोगों की दुर्दशा पर थी . इसलिए मेरी दिली इच्छा थी कि आम लोग जो अधिक गरीब हैं, उन्हें रोजगार से जोड़ा जाये. समस्या यह थी कि वे पैसा तो कमाते थे लेकिन बचत नहीं कर पाते थे और दूसरी जरूरतें उनके साथ खड़ी हो जाती थीं। इसलिए, मैंने कुछ समान विचारधारा वाले लोगों के सहयोग से एक किफायती समाज स्थापित करने का निर्णय लिया।

उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से लाभहीन समाज है. उधारकर्ताओं से कोई ब्याज नहीं लिया जाएगा लेकिन परिचालन खर्चों के लिए एक मामूली राशि ली जाएगी। इससे छोटे व्यवसायों को फायदा होगा. जैसे ई-रिक्शा चालकों को फायदा होगा और कुछ समय बाद वह ई-रिक्शा का मालिक बन जाएगा।

इस दौरान सोसायटी के उपाध्यक्ष इंजीनियर अब्दुल मनान ने थ्रिफ्ट सोसायटी के दृष्टिकोण को समझाते हुए कहा कि 'हर दिन हम निम्न आय वर्ग के लोगों के संघर्ष को देख रहे थे जो सब्जी विक्रेता, फल विक्रेता जैसे छोटे व्यवसाय करते हैं। , किराना दुकान संचालक, प्लंबर, इलेक्ट्रीशियन आदि लोग हैं। हमारे आसपास वे अपनी घरेलू जरूरतों या अपनी व्यावसायिक जरूरतों के लिए वित्त तक पहुंचने के लिए संघर्ष करते हैं। बल्कि वे अपनी अल्प बचत को सुरक्षित रखने के लिए भी संघर्ष करते हैं। इसलिए हमने कानूनी ढांचे के भीतर एक संस्था बनाने का फैसला किया, जहां यह संस्था लोगों द्वारा स्वयं बनाई जाएगी और यह लोगों की समस्याओं को कम करने में मदद करेगी।₹

उद्घाटन समारोह में सोलाहाट के सीईओ उसामा खान ने कहा कि हमारे संगठन सोलाहाट माइक्रोफाइनेंस सोसाइटी की वर्तमान में 111 शाखाएं हैं और सोलाहाट के साथ 300,000 सदस्य जुड़े हुए हैं. यह 13 राज्यों में सहकारी समितियों का एक विविध नेटवर्क है जिसके पास लाभार्थियों को आवश्यकता-आधारित वित्तीय सेवाएं प्रदान करने का समृद्ध अनुभव है। हम सहयोग को अपना अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार हैं और स्थापना में आने वाली सभी प्रकार की प्रशासनिक कठिनाइयों में भी हम अपना अनुभव उनसे साझा करने के लिए तैयार हैं।

इस दौरान प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के अध्यक्ष गौतम लाहिड़ी, ऑल इंडिया सोशलिस्ट पार्टी के उपाध्यक्ष सैयद तहसीन अहमद, मुस्लिम काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मुहम्मद अदीब, दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. जफरुल इस्लाम समेत कई महत्वपूर्ण हस्तियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये और अपने अनुभव भी साझा किये।

प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र के सांसद को सौंपे गए जागरण घोषणा पत्र में दर्ज मुद्दों के मामले में हुई प्रगति की पड़ताल हो रही है....

चुनावी महासमर: राष्ट्र की समस्याएं सुनती है नई दिल्ली, अपनी ही समस्याओं का समाधान नहीं

पांच साल बाद फिर से लोकसभा चुनाव होने जा रहे हैं इस मौके पर प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र के सांसद को सौंपे गए जागरण घोषणा पत्र में दर्ज मुद्दों के मामले में हुई प्रगति की पड़ताल कर रहा है। आइए पहले दिन देखते हैं कि घोषणा पत्र के केंद्र सरकार से जुड़े मुद्दों में क्या प्रगति हुई। नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र की रिपोर्ट...

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। साल 2019 में हुए लोकसभा चुनाव से पूर्व ने करीब दो माह तक एनसीआर के 13 लोकसभा क्षेत्रों के अनेक मतदाताओं से तय फार्मेट में उनका अपना घोषणा पत्र मांगा था और उसे प्रतिदिन अखबार में प्रकाशित किया था। चुनाव हो जाने के बाद इन घोषणा पत्रों को संकलित कर इनमें सामने आए केंद्र सरकार से संबंधित तीन प्रमुख मुद्दे और प्रादेशिक व क्षेत्रीय स्तर के तीन-तीन मुद्दे चयनित कर उन्हें घोषणा पत्र के रूप में एक एजेंडे के तौर पर नवनिर्वाचित सांसद को सौंपा गया था, ताकि वो उसपर काम करें और इसका क्षेत्र को लाभ मिले।

अब पांच साल बाद जब फिर से लोकसभा चुनाव होने जा रहे हैं, एक समाचार पत्र इस मौके पर प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र के सांसद को सौंपे गए घोषणा पत्र में दर्ज मुद्दों के मामले में हुई प्रगति की पड़ताल कर रहा है। आइए पहले दिन देखते हैं कि घोषणा पत्र के केंद्र सरकार से जुड़े मुद्दों में क्या प्रगति हुई। पेश है नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र की रिपोर्ट...

कई परेशानी हुई खत्म, फिर भी सुधार की जरूरत

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एक जुलाई 2017 को लागू हुआ था। पूरे देश में एक टैक्स प्रणाली से व्यापारियों को कई परेशानियां हुई थीं। इसके साथ ही टैक्स दरों में एकरूपता और समानता भी नहीं थी। जीएसटी को ऑनलाइन भरने और इसमें गलती होने पर जुर्माने के प्रविधान से भी व्यापारी परेशान थे। समय के साथ केंद्र सरकार ने जीएसटी जमा करने में कई सुधार किए। टैक्स दरें भी संतुलित कीं, लेकिन नई दिल्ली के व्यापारी इसमें और सुधार की मांग कर रहे हैं।

नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन के सचिव विक्रम बधवार ने कहा कि कनॉट प्लेस, करोल बाग, खान मार्केट जैसे प्रमुख बाजार व्यापार का गढ़ हैं। देशभर में यहां से वस्तुएं जाती हैं। अगर, यहां के व्यापारियों को समस्याएं होंगी, तो देशभर के व्यापारी परेशान होंगे। गलत रिटर्न भर दिया गया है, तो उसका भुगतान तो लिया जाना चाहिए, लेकिन जुर्माना लगाना उचित नहीं है। व्यापारियों को जीएसटी में होने वाले संशोधनों के बारे में समझाना भी जरूरी है। इसके लिए जीएसटी काउंसिल में व्यापारियों का भी प्रतिनिधित्व हो। जिससे संशोधनों पर व्यापारियों को समझा सकें।

आयुष्मान योजना दिल्ली में आज तक लागू नहीं की जा सकी

दिल्ली देश की राष्ट्रीय राजधानी है, यहां केंद्र सरकार जो योजना बनाती है, उसका देश के दूर दराज के इलाकों तक में क्रियान्वयन करना होता है, लेकिन राष्ट्रीय राजधानी की समस्या है कि राजनीतिक टकराव के कारण बहुत सी योजना यहां लागू नहीं हो पा रही हैं। केंद्र सरकार ने आयुष्मान योजना, पीएम आवास योजना, किसान सम्मान निधि जैसी योजनाएं शुरू की हैं। आयुष्मान भारत योजना का उद्देश्य गरीब वर्ग के लोगों को पांच लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज देना था। इसके साथ ही पीएम आवास योजना के तहत कम कीमत पर मकान उपलब्ध कराए जाने थे।

वहीं, किसानों की सहायता के लिए किसान सम्मान निधि के तहत छह हजार रुपये की सहायता दी जाती है। देशभर में बड़ी संख्या में लोगों को इन योजनाओं का लाभ मिल रहा है। जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार हुआ हैं और इन योजना की वजह से लोग मुसीबतों से बाहर निकले हैं। दिल्ली के लोगों को इन योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। दिल्ली सरकार ने वर्ष 2020 में दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आयुष्मान भारत योजना लागू करने की बात कही तो थी, लेकिन चार वर्ष बीतने वाले हैं पर अभी तक यह योजना लागू नहीं हो सकी है। जिसकी प्रमुख वजह केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच राजनीतिक टकराव है।

वर्ष 2019 में जितना राजनीतिक टकराव था, वह बढ़ता ही जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच आरोप-प्रत्यारोप सामने आता रहता है, जबकि दोनों को चाहिए कि वार्ता के माध्यम से राजनीतिक टकराव दूर करें, क्योंकि राजनीतिक टकराव में जनता का नुकसान नहीं होना चाहिए। सांसद का पक्षः वहीं, इस मामले में नई दिल्ली से दो बार सांसद रहीं मीनाक्षी लेखी से पक्ष मांगा गया, लेकिन उपलब्ध नहीं हो सका, उनके कार्यालय और उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया।

नई दिल्ली को प्रदूषण से नहीं मिल सकी निजात

राजधानी में वायु प्रदूषण की समस्या इतनी गंभीर है कि वर्ष भर में कई बार ग्रेप लागू करना पड़ता है। स्कूलों को बंद करना पड़ता है। यह स्थिति तब है, जब नई दिल्ली में बैठे देश के नीति निर्माता स्वयं इससे जूझते हैं। प्रदूषण बढ़ने पर आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति तो होती है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं होता है। वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या को 2019 में नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के राष्ट्रीय मुद्दे के तौर पर एजेंडे में शामिल किया गया था। स्थिति यह है कि इस क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला लुटियंस दिल्ली, जोकि 50 प्रतिशत से ज्यादा हरित क्षेत्र हैं, प्रदूषण से जूझता है। प्रदूषण से कोई निजात नहीं मिली।

प्रदूषण कम करने के नाम पर वाहनों को प्रतिबंधित कर दिया जाता है, पार्किंग के दाम बढ़ा दिए जाते हैं, लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकालता है। बाबा खड़ग सिंह मार्ग पर दिल्ली सरकार ने प्रयोगात्मक तौर पर स्माग टावर लगाया था। करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से वर्ष 2021 में लगे इस स्माग टावर के लाभ हुआ या नहीं, इसका परिणाम सामने आना बाकी है, लेकिन वर्ष 2023 में वायु प्रदूषण गंभीर स्थिति के दौरान यह स्माग टावर खराब ही रहा।

पुलिस के मुखबिर ने की थी बेनेट यूनिवर्सिटी के छात्र की हत्या, हुआ चौंकाने वाला खुलासा

ग्रेटर नोएडा की बेनेट यूनिवर्सिटी के छात्र और कारोबारी के बेटे यश मित्तल की हत्या के मामले में चौंकाने वाला पर्दाफाश हुआ है। मरोहा पुलिस के मुखबिर ने कारोबारी के बेटे को मौत के घाट उतारा था। सूत्रों ने दावा किया है कि पकड़े गए आरोपितों में शामिल सुशांत भी पहले से अमरोहा पुलिस के संपर्क में था।

ग्रेटर नोएडा। कारोबारी प्रदीप मित्तल के बेटे यश मित्तल की हत्या के मामले में चौंकाने वाला पर्दाफाश हुआ है। सूत्रों ने दावा किया है कि अमरोहा पुलिस के मुखबिर ने कारोबारी के बेटे को मौत के घाट उतारा था। फरार आरोपित शुभम अमरोहा पुलिस का मुखबिर है। इसी वजह से आरोपित जब ग्रेटर नोएडा से यश को अपने साथ लेकर गए तो हत्या यहां न करके अमरोहा के गजरौला में की।

आरोपितों को भरोसा था कि यदि वह छात्र को गजरौला में मौत के घाट उतारेंगे तो पकड़े नहीं जाएंगे। इसी वजह से हत्या करने के बाद आरोपितों ने शव को भी गजरौला में ही दफनाया, लेकिन ग्रेटर नोएडा पुलिस ने आरोपितों की इस साजिश का पर्दाफाश कर चार लोगों को धर दबोचा। पांचवां आरोपित शुभम चौधरी अभी फरार है। उसकी महिला मित्र भी गायब है। महिला मित्र एक फैक्ट्री में नौकरी करती है।

हर कड़ी जोड़ने की कोशिश करेगी पुलिस

ग्रेटर नोएडा की दादरी कोतवाली पुलिस चार आरोपित रचित नागर, शिवम, सुशांत व सुमित को रिमांड पर लेगी। 26 फरवरी की दोपहर रचित व सुशांत छात्र यश मित्तल को बेनेट विश्वविद्यालय के गेट से सफेद रंग की स्विफ्ट कार में अपने साथ लेकर गए थे। इसकी पुष्टि विश्वविद्यालय के गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरे से हुई है। आरोपितों को रिमांड पर लेकर पुलिस घटना की हर कड़ी जोड़ने का प्रयास करेगी।

पुलिस को उम्मीद है कि फरार आरोपित शुभम जल्द ही हत्थे चढ़ सकता है। आशंका है कि वह महिला मित्र के साथ फरारी काट रहा है। उसकी दो ठिकाने के बारे में पुलिस को सूचना मिली है। ठिकानों पर दबिश दी गई, लेकिन वह नहीं मिला।

सूत्रों ने दावा किया है कि पकड़े गए आरोपितों में शामिल सुशांत भी पहले से अमरोहा पुलिस के संपर्क में था। वह सुनार है, इस वजह से उसको पता रहता था कि कौन सी दुकान में चोरी व लूट की चेन बेची जाती है। इसकी सूचना वह गापेनीय रूप से पुलिस को देता था।

यह है मामला

गजरौला के मुहल्ला टीचर्स कालोनी में रेलवे ओवरब्रिज के नीचे सूर्य इलेक्ट्रॉनिक के नाम से शोरूम चलाने वाले प्रदीप मित्तल के 19 वर्षीय बेटे यश मित्तल की उसके ही दोस्तों ने 26 फरवरी की रात हत्या कर दी थी। हत्या करने के बाद शव को गजरौला के समीप तिगड़िया गांव का जंगल में 7 से 10 फीट गहरे गड्ढे में दफना दिया था। यश ग्रेटर नोएडा की बेनेट विश्वविद्यालय से बीबीए की पढ़ाई कर रहा था। 27 फरवरी को आरोपितों ने यश के फोन से उसके पिता प्रदीप मित्तल व बहन को मैसेज भेजकर छह करोड़ की फिरौती मांगी।

एनसीआर में तेज बारिश के साथ गिरे ओले, आगे कैसा रहेगा मौसम; आईएमडी ने दिया अपडेट

शनिवार-रविवार को रात में वर्षा के बाद सुबह बादल छाए रहे। शाम को बादल घिर आए। कुछ ही देर में तेज वर्षा शुरू हो गई और साथ में ओले भी पड़े। शहर के कुछ इलाकों में ओले ज्यादा दिखे। न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन में हवा अधिकतम 13 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चली।

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद/नोएडा। एक दिन पहले गाजियाबाद में पूरे दिन बादल छाए रहने के साथ हुई हल्की वर्षा के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई। शनिवार-रविवार को रात में वर्षा के बाद सुबह बादल छाए रहे। शाम को बादल घिर आए। कुछ ही देर में तेज वर्षा शुरू हो गई और साथ में ओले भी पड़े।

बादल के चलते महसूस हुई सर्दी

मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन हल्के बादल छाए रह सकते हैं। बीते कई दिन से सुबह से ही तेज धूप रहने की वजह से तापमान में बढोतरी हो रही है। शनिवार को बादल छाए रहने के साथ हल्की वर्षा भी हुई। जिसके बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई। रविवार को रात वर्षा के बाद सुबह से बादल छाए रहे। जिससे हल्की सर्दी महसूस हुई।

दिन भर आसमान में बादल मंडराते रहे। इसके बाद शाम को तेज वर्षा शुरू हो गई और कुछ ही देर में ओले भी पड़े। हालांकि ओले काफी ज्यादा छोटे थे और कम ही दिखाई दिए। शहर के कुछ इलाकों में ओले ज्यादा दिखे। न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन में हवा अधिकतम 13 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चली।

सोमवार को कैसा रहेगा मौसम

वातावरण में आर्द्रता 77 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार को आसमान में हल्के बादल छाए रह सकते हैं। तापमान में गिरावट आ सकती है। न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। हवा अधिकतम 14 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी। वातावरण में आर्द्रता 59 प्रतिशत तक रह सकती है।

वहीं, नोएडा में गत रात अचानक मौसम बादल छाए और तेज हवाओं के साथ बरस उठे। देर रात से रविवार अलसुबह तक भी हल्की वर्षा का सिलसिला जारी रहा। शाम तक तेज हवाएं चलती रही। वर्षा के कारण मौसम सुहावना हुआ है।

स्काईमेट वेदर के मौसम विज्ञानी का कहना है कि अगले 24 घंटों तक जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी से बहुत भारी वर्षा और बर्फबारी जारी रहने की उम्मीद है। उसके बाद इसकी तीव्रता कम हो जाएगी। चार मार्च से मौसम साफ होना शुरू हो जाएगा।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बड़ा हादसा, ब्लू सफायर मॉल में लोहे का स्ट्रक्चर गिरने से दो लोगों की मौत

ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित ब्लू सफायर मॉल में ग्रिल गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। बिसरख पुलिस ने बताया कि दोनों शख्स नीचे खड़े थे तभी उनके सिर पर लोहे का स्ट्रक्चर आकर गिरी और उनकी मौके पर मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच चुकी है। दोनों शख्स गाजियाबाद के रहनेवाले थे।

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित ब्लू सफायर मॉल में लोहे का स्ट्रक्चर गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। दोनों नीचे खड़े थे, तभी उनके सिर पर ग्रिल लगी और उनकी मौके पर मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच चुकी है और जांच में जुटी हुई है।

बिसरख पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान गाजियाबाद के विजय नगर निवासी हरेंद्र भाटी (35) और शकील (35) के तौर पर की गई है। पुलिस द्वारा पंचायतनाम भरकर पोस्टमार्टम के लिए शव को भेजा जा रहा है।

पांचवीं मंजिल से लोहे की ग्रिल गिरी

ब्लू सफायर मॉल में ग्रिल गिरने से दो लोगों की मौत पर एडीसीपी सेंट्रल हृदेश कठेरिया ने कहा, 'आज ब्लू सफायर मॉल में पांचवीं मंजिल से लोहे की ग्रिल गिर गई, जिसके कारण दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस टीम मौके पर पहुंचे और विजयनगर, गाजियाबाद के रहने वाले दो लोगों की पहचान की। जब दुर्घटना हुई तो वे एस्केलेटर की ओर चल रहे थ।'

प्रतिबंध के बाद भी इंस्टाग्राम पर बेच रहे ई-सिगरेट

परिवहन विशेष न्यूज

औद्योगिक नगरी में चीन में बनने वाली ई-सिगरेट नेपाल के रास्ते दिल्ली पहुंचने के बाद अब इंटरनेट मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंच रही है। गिरोह से जुड़े लोग इंस्टाग्राम पर आइडी बनाकर ई-सिगरेट की आपूर्ति कर रहे हैं। गिरोह के सदस्यों ने बकायदा इंस्टाग्राम पर आपूर्ति वाले उन शहरों का नाम भी लिख रहा है जहां वह आपूर्ति कर रहे हैं।

नोएडा। औद्योगिक नगरी में चीन में बनने वाली ई-सिगरेट नेपाल के रास्ते दिल्ली पहुंचने के बाद अब इंटरनेट मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंच रही है। गिरोह से जुड़े लोग इंस्टाग्राम पर आईडी बनाकर ई-सिगरेट की आपूर्ति कर रहे हैं। गिरोह के सदस्यों ने बकायदा इंस्टाग्राम पर आपूर्ति वाले उन शहरों का नाम भी लिख रहा है, जहां वह आपूर्ति कर रहे हैं।

जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ (डीटीसीसी) की प्रभारी डॉ. श्वेता खुराना का कहना है कि सेक्टर-39 कोतवाली पुलिस ने पिछले माह दो तस्करों को गिरफ्तार कर कब्जे से तीन किलो 100 ग्राम गांजा व 960 ई-सिगरेट बरामद की थी। जांच में पता चला कि ई-सिगरेट चीन में बनी ई-सिगरेट नेपाल के रास्ते उत्तराखंड आती थी। वहां से पीलीभीत के रास्ते दिल्ली पहुंचती थी। वहां से दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग कॉलेज, बार, रेस्तरां, बड़े पान दुकानदारों को इंटरनेट मीडिया मसलन फेसबुक, इंस्टाग्राम पेज, वाट्सऐप ग्रुप, फर्जी टेलीग्राम ग्रुप बनाकर इन्हें बेचा जाता था।

जांच में पता चला है कि वेपे, जूल नाम से कई इंस्ट्राग्राम पर आइडी बनी हुई हैं, जो ई-सिगरेट की बिक्री करती हैं। आई डाट वेपइंडिया नाम से एक चल रहे ई-सिगरेट की बिक्री जा रही है। इस पेज पर बकायदा हैदराबाद, दिल्ली, गुजरात मुंबई, चेन्नई में डिलीवरी की बात कही गई है। गिरोह ने एक कम्युनिटी वाट्सएप ग्रुप भी बना रखा है, जो 2019 से संचालित है। इंस्टाग्राम पर पेज बनाकर ई-सिगरेट की बिक्री पर रोक लगाने के लिए शासन को सूचना देंगे। जिससे प्रदेश सरकार केंद्र सरकार से ऐसे पेज को प्रतिबंधित करने की जानकारी दे सके।

ई-सिगरेट के बिक्री और प्रचार के लिए बने पेज

वेप सेलर, वेप ठेका, आल आबाउट वेप्स, किंग आफ वेप, वेप हैदराबाद, वेप हब इंडिया, एल्फबार, वेप मार्केट इंडिया, वेप आफिशियल, वेप इंडिया, वेप दुकान, गुरु हुक्का आदि।

ई-सिगरेट को पेन, लाइटर, पेन ड्राइवर

ई-सिगरेट को पेन, लाइटर, पेन ड्राइवर, चाभी आदि के रूप में आकार देकर बेचा जा रहा है। जिससे बिक्री और सेवन के दौरान पकड़ से दूर रहा जा सके।

क्या है ई-सिगरेट

ई-सिगरेट एक खास प्रकार का इलेक्ट्रानिक गैजेट है, जिसको बैटरी के जरिये चलाया जाता है। लोग इस डिवाइस के माध्यम से बिना तंबाकू के पदार्थों को इनहेल करते हैं। जिले में ई-सिगरेट का अवैध कारोबार लाखों का है। चीन से दिल्ली के रास्ते ई सिगरेट के उत्पादों को बाजारों तक लाया जा रहा है। ई-सिगरेट तंबाकू और सिगरेट से ज्यादा हानिकारक है। ई-सिगरेट लोगों के सांस, फेफड़े समेत हृदय की गंभीर बीमारियां होती हैं। जो महिलाएं ई-सिगरेट का सेवन करती हैं, उनको गर्भावस्था से जुड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

2019 से प्रतिबंधित है ई-सिगरेट

इलेक्ट्रानिक सिगरेट निषेध अधिनियम-2019 में लागू हुआ था। इसके अंतर्गत ई-सिगरेट के उत्पादन, निर्माण, आयात, निर्यात, परिवहन, बिक्री, वितरण, भंडारण और विज्ञापन पर बैन है। देश में ई-सिगरेट पर साल 2019 से बैन लगा हुआ है। बावजूद इंटरनेट मीडिया पर धड़ल्ले से इसे बेचा जा रहा है। पहली बार इसका उल्लंघन करने वालों को एक साल तक की सजा होगी और एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगेगा। लगातार उल्लंघन करने वालों को तीन साल तक की सजा या पांच लाख रुपये का जुर्माना है।

हुक्का की बिक्री पर प्रतिबंध

औद्योगिक नगरी में हुक्का बिक्री पर भी प्रतिबंध है। बावजूद जिले के रेस्तरां, बार में ग्राहकों को हर्बल हुक्के के नाम पर इसे परोसा जा रहा है। चोरी-छिपे इसका इस्तेमाल युवक, युवती कर रहे हैं। वहीं पान दुकान की आड़ में हुक्के का सामान धड़ल्ले से बेचा जा रहा है।

पत्नी की हत्या कर तीन दिन तक घर में शव छिपाए रखा, पड़ोसी को भनक तक नहीं लगने दी; ऐसे हुआ खुलासा

गाजियाबाद जिले के मसूरी थाना क्षेत्र की आंबेडकर नगर कॉलोनी में शराब की दुकान पर काम करने वाले कर्मचारी ने अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। इतना ही नहीं आरोपी पत्नी का शव अपने घर पर तीन दिन तक छिपाए रखा। इस दौरान आरोपित अपने काम पर भी गया। आरोपी भारत को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

गाजियाबाद। मसूरी थाना क्षेत्र की आंबेडकर नगर कॉलोनी में शराब की दुकान पर काम करने वाले कर्मचारी भरत ने अपनी पत्नी 51 वर्षीय सुनीता की गला दबाकर हत्या कर दी। घर में तीन दिन तक पत्नी का शव रखकर आरोपित काम पर भी गया। शनिवार को पड़ोसियों को बदबू आने पर पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस को शव कमरे में मिला।

एसीपी मसूरी का कहना है कि आरोपी भारत को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपित ने घरेलू विवाद में पत्नी की गला दबाकर हत्या की थी। पुलिस के मुताबिक मिसलगढ़ी आंबेडकर कालोनी से शनिवार को डायल-112 पर पड़ोसियों ने सूचना दी कि भरत सिंह के मकान से बदबू आ रही है। उसकी पत्नी भी तीन-चार दिनों से दिखाई नहीं दी है।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने मकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो महिला का शव कमरे में पड़ा हुआ था। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। इसी बीच पुलिस ने आरोपित भरत सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उसकी पत्नी की घरेलू कलह में तीन-चार दिन पहले गला दबाकर हत्या कर दी थी। इसके बाद वह रोजाना अपने काम पर भी गया।

तीन दिन तक शव के साथ रहा

पुलिस का कहना है कि आरोपित दिन दिन तक शव के साथ ही रहा। रोजाना अपने काम पर भी गया, लेकिन पड़ोसियों को इसकी भनक नहीं लगने दी। दोनों की यह दूसरी शादी है। भरत लालकुआं पर शराब के ठेके पर काम करता था। सुनीता और भरत दोनों ने दूसरी शादी की है। दोनों के कोई बच्चा नहीं है। पहली शादी से दोनों के बच्चे हैं।

दो साल से नाम बदलकर किराए पर रह रहा

स्थानीय लोगों ने बताया कि आरोपित भरत सिंह अपना नाम बदलकर मानसिंह के नाम से आंबेडकर कालोनी में दो वर्ष से किराए पर रह रहा था। पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़ा रहता था। महिला कालोनी में ही दुकान भी करती थी, लेकिन भरत और सुनीता में कई बार रुपयों को लेकर भी विवाद होता था। भरत के नशे का आदी होने की भी जानकारी आई है।

आरोपित ने घरेलू विवाद में हत्या करना बताया है। महिला की मौत किस दिन हुई है इसका पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट से चलेगा। आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है। नरेश कुमार, एसीपी मसूरी

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से महिला की हत्या का पता चला -सिहानी गेट थानाक्षेत्र के पीले क्वार्टर से महिला 23 फरवरी को लापता हुई थी -बीमा एजेंट पर हत्या का आरोप,

भ्रूण लिंग जांच के बढ़ते जा रहे मामले, हरियाणा में चल जाता है पता, लेकिन यहां नहीं लगती भनक

भ्रूण लिंग जांच के मामले बढ़ते जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते लोनी साहिबाबाद और मुरादनगर क्षेत्र में पंजीकृत और अपंजीकृत अल्ट्रासाउंड केंद्रों में प्रतिदिन भ्रूण लिंग जांच हो रही है। हरियाणा स्वास्थ्य विभाग की टीम को इतनी दूर बैठे हुए जांच का पता चल जाता है लेकिन स्थानीय अधिकारियों को इसकी भनक नहीं लगती है।

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद। भ्रूण लिंग जांच के मामले बढ़ते जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते लोनी साहिबाबाद और मुरादनगर क्षेत्र में पंजीकृत और अपंजीकृत अल्ट्रासाउंड केंद्रों में प्रतिदिन भ्रूण लिंग जांच हो रही है। हरियाणा स्वास्थ्य विभाग की टीम को इतनी दूर बैठे हुए जांच का पता चल जाता है, लेकिन स्थानीय अधिकारियों को इसकी भनक नहीं लगती है।

अकेले लोनी क्षेत्र में संचालित 50 से अधिक अल्ट्रासाउंड केंद्रों में भ्रूण लिंग जांच की आशंका के बाद स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी तेज कर दी है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट ही बयां करती है कि लिंग जांच से जुड़े पांच साल में सक्षम कोर्ट में 29 वाद दायर किए गए। इनमें सबसे अधिक मामले लोनी के हैं। इसके अलावा 14 अल्ट्रासाउंड केंद्रों का पंजीकरण निरस्त किया गया है। यह स्थिति तब है जबकि जिला स्तर पर गठित सलाहकार समिति सक्रिय रहती है। 20 हजार से 50 हजार रुपये लेकर अप्रशिक्षित लोग भ्रूण लिंग जांच कर रहे हैं। लोनी में 28 फरवरी को शिवा अल्ट्रासाउंड केंद्र पर सोनीपत की टीम ने छापा मारा तो सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी दौड़कर वहां पहुंच गए।

अब इस केंद्र का पंजीकरण निरस्त करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। पीसीपीएनडीटी के नोडल डॉ. चरन सिंह का कहना है कि भ्रूण लिंग जांच करने पर संबंधित के खिलाफ पुलिस थाने में सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई जाती है।

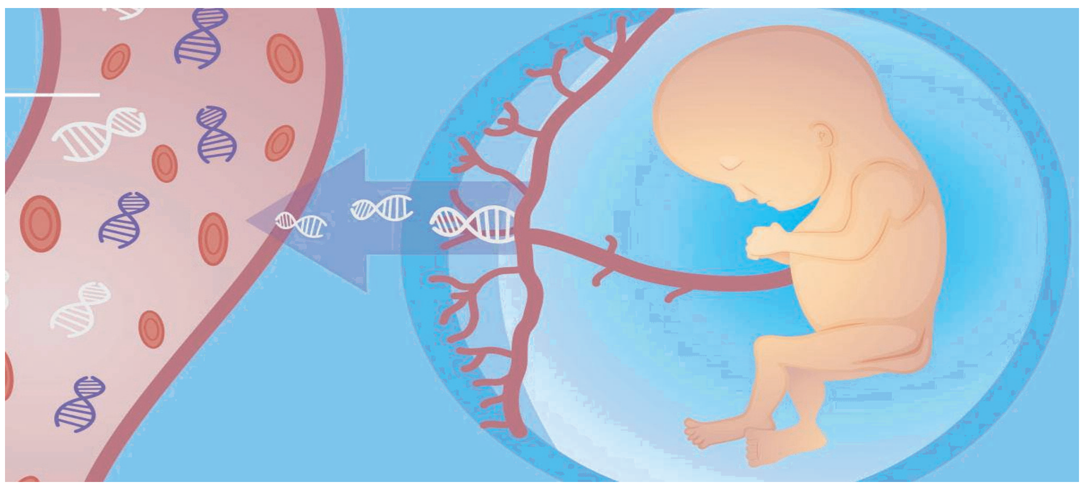

जनपद में लिंगानुपात

2011 में 870 और वर्तमान 963

शून्य से छह वर्ष के बच्चों का लिंगानुपात

2011 में 850 और वर्तमान 902

विगत एक साल में हुई कार्रवाई

13 मई 2023 को नंदग्राम में छापा मारकर तीन लोग पकड़े गए

14 मई 2023 को लोनी में छापा मारकर दो लोग पकड़े गए

16 मई 2023 को गनौली गांव में छापा मारा गया

26 मई को डीएलएफ में छापा मारकर दो लोगों को पकड़ा गया

31 मई को लोनी में छापा मारकर तीन लोगों को पकड़ा गया

20 जून को अशोक विहार में छापा मारकर दो लोगों को पकड़ा गया

23 जून को बेहटा हाजीपुर में छापा मारकर महिला को पकड़ा गया

पंजीकृत अल्ट्रासाउंड सेंटर- 369

जांच के बाद निरस्त पंजीकरण- 14

अधिकारियों ने किये निरीक्षण- जनवरी माह में 40 और अब तक कुल 280

मिथ्या ग्राहक द्वारा कराए गए निरीक्षण- 7

अपंजीकृत पकड़े गये क्लीनिक-5

स्वास्थ्य विभाग की ओर से सील कराए गए क्लीनिकों की कुल संख्या-6

पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत दायर किये वादों की संख्या- 29

लोनी और साहिबाबाद में पंजीकृत एवं अपंजीकृत अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर भ्रूण लिंग जांच की लगातार शिकायतें मिल रही हैं। निगरानी के लिए स्थानीय चिकित्सकों को नामित करते हुए टीम गठित कर दी गई हैं। जल्द ही बेहतर परिणाम आएंगे।

-डॉ. चरन सिंह, (एसीएमओ) नोडल पीसीपीएनडीटी अधिनियम

गाजियाबाद में उछला अतीक अहमद का नाम, मशीन ऑपरेटर को गोली मारने की धमकी

मुरादनगर के अर्थ मूविंग मशीन ऑपरेटर को माफिया अतीक अहमद के नाम पर धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित मुरादनगर निवासी अयूब ने कविनगर पुलिस को शिकायत देकर बताया है कि कुशलिया निवासी ठेकेदार साजिद ने उनसे बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र में काम कराया था। उन्होंने 98 प्रतिशत काम पूरा कर दिया। ठेकेदार पर उनके एक लाख 63 हजार रुपये हैं।

गाजियाबाद। मुरादनगर के अर्थ मूविंग मशीन ऑपरेटर को माफिया अतीक अहमद के नाम पर धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित मुरादनगर निवासी अयूब ने कविनगर पुलिस को शिकायत देकर बताया है कि कुशलिया निवासी ठेकेदार साजिद ने उनसे बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र में काम कराया था। उन्होंने 98 प्रतिशत काम पूरा कर दिया।

ठेकेदार पर उनके एक लाख 63 हजार रुपये हैं। जब उन्होंने अपने रुपये मांगे तो ठेकेदार ने उन्हें पहचानने से मना करते हुए कहा कि वह अतीक अहमद का आदमी है। पीड़ित का आरोप है कि उन्हें गोली मारने की धमकी दी गई। पुलिस का कहना है कि आरोपों की जांच की जा रही है।

अतीक अहमद की बीते साल ही हत्या कर दी गई थी। ऐसे में उसका कोई आदमी गाजियाबाद जनपद में काम कर रहा है इसकी जानकारी नहीं है।

कार रेडिएटर क्या होता है? देखरेख नहीं की तो हो जाएगी बड़ी दिक्कत; लाइफ बढ़ाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

सबसे पहले समझने की कोशिश करते हैं कि आखिर Car Radiator क्या होता है। गाड़ी के इंजन को ठंडा रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सीधे शब्दों में कहें तो गाड़ी के इंजन को ठंडा रखने के लिए जो प्रोसेस होता है उसमें सबसे अहम रोल इसी का होता है। जब गाड़ी में जब पेट्रोल डलता हो तो उससे एनर्जी पैदा होती है।

नई दिल्ली। कार में बहुत से ऐसे उपकरण लगे होते हैं जिनके बारे में आम आदमी को ज्यादा जानकारी नहीं होती है। लेकिन उनका कार के परफॉर्मेंस पर सीधा असर पड़ता है। अक्सर आपने ध्यान दिया होगा कि गाड़ी बहुत ज्यादा ओवरहीट करने लगती है।

लेकिन क्या आपको पता है ऐसा क्यों होता है। इस लेख में हम कार रेडिएटर (Car Radiator) के बारे में बताने वाले हैं। जिसकी वजह से ऐसा होता है।

क्या है Car Radiator?

सबसे पहले समझने की कोशिश करते हैं कि आखिर कार रेडिएटर क्या होता है। गाड़ी के इंजन को ठंडा रखने के लिए यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सीधे शब्दों में कहें तो गाड़ी के इंजन को ठंडा रखने के लिए जो प्रोसेस होता है उसमें सबसे अहम रोल इसी का होता है।

दरअसल, जब गाड़ी में जब पेट्रोल डलता हो तो उससे एनर्जी पैदा होती है। जो बहुत हीट उत्पन्न करती है और ऐसे में Car Radiator इसे ठंडा करता है।

लाइफ बढ़ाने के लिए फॉलो 5 टिप्स

अगर आप कार के रेडिएटर की लाइफ को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको इसके लिए कुछ टिप्स को फॉलो करना चाहिए।

Radiator Leakage यह एक कॉमन समस्या है जिसकी वजह से आप परेशानी में आ सकते हैं। इसमें लीकेज के कारण पानी का पंप प्रभावित होता है।

जंग लगने से भी कार रेडिएटर प्रभावित होता है। इस खराबी होने के कारण नलिकाएं काम करना बंद कर देती हैं और गाड़ी में ओवरहीट की समस्या देखने को मिलती है।

रेडिएटर में जो फैन लगा होता है अगर उसमें कमी आती है तो इसका सीधा असर इंजन पर पड़ता है। इसी की वजह से होता है कि गाड़ी बहुत ओवरहीट करने लगती है। इसलिए सुनिश्चित कर लें कि कहीं रेडिएटर में लगा फैन खराब तो नहीं है।

Best 150 CC Engine Bikes: 150 सीसी इंजन के साथ आने वाली बेस्ट बाइक

अगर आपका बजट कम है और 150 सीसी सेगमेंट में कोई बाइक तलाश रहे हैं तो यहां आपके लिए ऐसी बाइक्स की लिस्ट लेकर आए हैं जो 150 CC Engine के साथ पेश की जाती हैं और इनमें परफॉर्मेंस भी दमदार मिलता है। लिस्ट में Bajaj Pulsar 150 और Yamaha FZS-FI V4 शामिल हैं। आइए इनके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। देश में 150 cc सेगमेंट के अंदर आने वाली बाइक्स को खूब तरजीह दी जाती है और यही वजह है कि इनकी डिमांड हमेशा ही रहती है।
अगर आप अपने लिए इस सेगमेंट में आने वाली बेस्ट बाइक तलाश रहे हैं तो आपके लिए यहां कुछ ऐसी बाइक्स की लिस्ट लेकर आए हैं, जो आपके लिए परफेक्ट साबित हो सकती है।
149.5 सीसी इंजन साथ आने वाली ये बाइक भारतीय ग्राहकों के बीच लोकप्रिय है। यह 14 पीएस की शक्ति और 13.25 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। यह बाइक अपने दमदार परफॉर्मेंस के लिए पहचानी जाती है। इसकी कीमत 1.10 लाख रुपये एक्सशोरूम से शुरू होती है।

Yamaha FZS-FI V3

यह बाइक भी 150 सीसी सेगमेंट के अंदर आती है। इसमें मिलने वाला 149 सीसी का एयरकूल्ड 4-स्ट्रोक इंजन 12.4 पीएस की अधिकतम शक्ति और 13.3 एनएम का टॉर्क निकालता है। इसमें 13 लीटर का फ्यूल टैंक दिया गया है। फीचर्स के तौर पर इसमें ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, डिजिटल स्पीडोमीटर और डिजिटल ट्रिप मीटर दिया गया है।

Yamaha FZS-FI V4

यामाहा FZS-FI V4 भी इसी सेगमेंट में आती है। इसमें 149 ccbs6-2.0 इंजन मिलता है जो 12.4 पीएस की पावर और 13.3 Nm का टॉर्क पैदा करता है। इसमें डिस्क फ्रंट ब्रेक और डिस्क रियर ब्रेक हैं। यामाहा FZS-FI V4 का वजन 136 किलोग्राम है और यह 13 लीटर के फ्यूल टैंक के साथ पेश की जाती है।
इस बाइक में मल्टी-फंक्शन एलसीडी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, एलईडी हेडलैंप, रियर डिस्क ब्रेक के साथ फ्रंट में सिंगल-चैनल ABS, ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम दिया जाता है।

मारुति सुजुकी की इन गाड़ियों पर मार्च 2024 में मिल रहे हैं डिस्काउंट, ये मॉडल खरीदने वालों की होगी अच्छी बचत

मारुति सुजुकी इग्निस पर 62000 रुपये तक के बेनिफिट्स मिल रहे हैं। यह ऑफर MY 2023 और MY 2024 दोनों के लिए रहेगा। इसमें 40000 रुपये का कैश डिस्काउंट भी शामिल है। लोकप्रिय प्रीमियम हैचबैक बलेनो पर भी डिस्काउंट मिल रहा है। फ्रोंक्स टर्बो पर 32000 रुपये के बेनिफिट्स मिल रहे हैं। Fronx 1.2 L पेट्रोल वेरिएंट पर 27000 रुपये तक के डिस्काउंट का लाभ लिया जा सकता है।

नई दिल्ली। Maruti Suzuki India Limited (MSIL) ने मार्च 2024 के लिए डिस्काउंट्स की जानकारी दी है। यह ऑफर निर्माता MY 2024 और MY 2023 मॉडल्स पर लागू होंगे। नेक्सा डीलरशिप के तहत इनका लाभ लिया जा सकता है। आइए इनकी डिटेल जान लेते हैं।

इन गाड़ियों पर मिल रहे बेनिफिट्स

मारुति सुजुकी इग्निस पर 62,000 रुपये तक के बेनिफिट्स मिल रहे हैं। यह ऑफर MY 2023 और MY 2024 दोनों के लिए रहेगा। इसमें 40,000 रुपये का कैश डिस्काउंट भी शामिल है। लोकप्रिय प्रीमियम हैचबैक बलेनो पर भी डिस्काउंट मिल रहा है।

इस पर 57,000 रुपये तक बेनिफिट्स का लाभ लिया जा सकता है। वहीं, पेट्रोल AGS ट्रिम और भी अधिक डिस्काउंट के साथ उपलब्ध है। जबकि इसके सीएनजी वेरिएंट पर 25,000 रुपये तक की छूट मिल रही है।

फ्रोंक्स टर्बो पर 32000 रुपये के बेनिफिट्स मिल रहे हैं। Fronx 1.2 L पेट्रोल वेरिएंट पर 27,000 रुपये तक के डिस्काउंट का लाभ लिया जा सकता है।

यहां जानिए सभी के डिस्काउंट की लिस्ट

नेक्सा मॉडल्स पर मिल रहे डिस्काउंट के बारे में नीचे जानकारी दी गई है।

नेक्सा मॉडल्स	MY 2023 डिस्काउंट	MY 2024 डिस्काउंट
इग्निस	62,000 रुपये तक	62,000 रुपये तक
बलेनो	57,000 हजार	57,000 हजार
सियाज	60,000 हजार	60,000 हजार
फ्रोंक्स टर्बो	32,000 हजार	32,000 हजार
ग्रैंड विटारा सिग्मा	7,000 कॉर्पोरेट डिस्काउंट	कॉर्पोरेट डिस्काउंट
ग्रैंड विटार डेल्टा	57,000 डिस्काउंट	57,000 डिस्काउंट
ग्रैंड विटारा स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड	1.02 लाख रुपये तक	87,000 हजार
जिम्नी	1.53 लाख रुपये तक	53,000 हजार

ऑटो सेल्स रिपोर्ट: मारुति सुजुकी की बिक्री 9 प्रतिशत बढ़ी, ग्रोथ के मामले में दूसरी कंपनियों का ऐसा रहा हाल

ऑटोमेकर्स ने फरवरी 2024 की सेल रिपोर्ट जारी कर दी है। जिससे पता चलता है कि बिक्री के मामले में सभी ने वृद्धि दर्ज की है। टाटा मोटर्स ने पैसेंजर व्हीकल (PV) की बिक्री के मामले में फरवरी 2024 में 19 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि दर्ज की है। जबकि इसी साल जनवरी में ये आंकड़ा 12 प्रतिशत था। आइए इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। फरवरी 2024 खत्म हो चुका है और सभी वाहन निर्माता कंपनियों ने इस माह के बिक्री के आंकड़े भी जारी कर दिए हैं। इस महीने सभी की बिक्री में कुछ न कुछ प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। टू-व्हीलर और पैसेंजर व्हीकल (PV) दोनों ही सेगमेंट के वाहनों के प्रति ग्राहकों ने जमकर रुझान दिखाया है। यहां सभी ऑटोमेकर्स के बिक्री के आंकड़ों के बारे में बताने वाले हैं।

Maruti Suzuki ने फरवरी 2024 में रिकॉर्ड 197,471 यूनिट्स की बिक्री है। इनमें 163,397 घरेलू यूनिट शामिल हैं। साल-दर-साल के हिसाब से देखा जाए तो कंपनी ने 9 प्रतिशत की वृद्धि घरेलू मार्केट में दर्ज की है।

हुंडई ने भी बिक्री के मामले में वृद्धि हासिल की है। पिछले वर्ष इस अवधि के दौरान बिक्री का आंकड़ा कम था। लेकिन इस बार 6.8 प्रतिशत की बिक्री के साथ ये 50,201 यूनिट्स का हो गया है।

Tata Motors और MG Motor

टाटा मोटर्स ने पैसेंजर व्हीकल (PV) की बिक्री के मामले में फरवरी 2024 में 19 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि दर्ज की है। जबकि इसी साल जनवरी में ये आंकड़ा 12 प्रतिशत था। वहीं, फरवरी में एमजी मोटर ने 18 प्रतिशत से अधिक की बिक्री वृद्धि दर्ज की है।

जनवरी में बेची गई 3,825 यूनिट्स की तुलना में 4,532 इकाइयां बेचीं। इस बीच होंडा कार्स इंडिया ने फरवरी 2024 में घरेलू बिक्री में 17 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की है। जिसमें 7,142 यूनिट्स बेची गईं हैं।

टू-व्हीलर सेगमेंट में हो रही वृद्धि

देश का टूव्हीलर सेगमेंट भी बिक्री के मामले में तेजी से विस्तार कर रहा है। इसका सीधा असर कंपनियों की बिक्री पर भी पड़ा है। हीरो मोटोकॉर्प ने साल-दर-साल 22 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। फरवरी 2024 में 433,598 यूनिट्स बेचीं, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह आंकड़ा 356,690 यूनिट का था। बजाज ऑटो ने भी अच्छी वृद्धि हासिल की है। निर्माता के दोपहिया वाहनों की बिक्री 25 प्रतिशत बढ़कर 294,684 यूनिट हो गई है।

बात टीवीएस मोटर की करें तो इसने भी फरवरी 2024 में 33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री में 16 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। आखिर में Suzuki Motorcycles ने भी 59 प्रतिशत की ग्रोथ प्राप्त की है।

जनता पूछ रही है- कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के रिश्ते को क्या नाम दें?

राकेश सैन

रोचक है कि चुनावों में प्रचार के दौरान पंजाब में कांग्रेस जहां भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की सरकार को कोसेगी और अरविंद केजरीवाल पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को उछालेगी वहीं दोनों दल दूसरे राज्यों में एक-दूसरे की पीठ खुजाएंगे।

देश में लोकसभा चुनावों की तैयारी को लेकर 'इंडी' गठजोड़ के तहत कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबन्धन हो चुका है। देश के अन्य हिस्सों जैसे दिल्ली, हरियाणा, गुजरात और गोवा में दोनों दल मिल कर चुनाव लड़ेंगे जबकि पंजाब में एक-दूसरे के खिलाफ। इस अजीबो-गरीब गठजोड़ को देख कर हास्य अभिनेता कादर खान की उस फिल्म में कॉमेडी का स्मरण हो आया जिसमें प्रेमी की माँ और प्रेमिका का बाप भी एक दूसरे के चक्कर में पड़ कर शादी कर बैठते हैं। अब इस रिश्ते से प्रेमी अपनी प्रेमिका का भाई हो गया और उसका अपना पिता उसका ससुर भी बन गया। प्रेमिका भी अपनी माँ को सासू कहे या मम्मी, उसे समझ नहीं आ रहा था। परिवार में इन दोनों जोड़ियों के होने वाले बच्चों के सामने समस्या पैदा हो गई कि कौन किसको किस रिश्ते से पुकारे? इसी तर्ज पर उक्त राजनीतिक गठजोड़ को देख कर यह बात सत्य साबित हो गई है कि देश में नई तरह की राजनीति का वायदा करके आए अरविंद केजरीवाल ने वास्तव में नया कर दिखाया है। हालांकि इस तरह के बेमेल गठजोड़ अतीत में भी कुछ स्थानों पर होते रहे हैं परन्तु राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार यह बेर और केर का साथ चर्चा का विषय बना हुआ है। कांग्रेस के भ्रष्टाचार के खिलाफ चले अन्ना हजारे आन्दोलन से उपजी आम आदमी पार्टी अब उसी के पक्ष में दिखाई दे रही है।

रोचक है कि चुनावों में प्रचार के दौरान पंजाब में कांग्रेस जहां भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की सरकार को कोसेगी और अरविंद केजरीवाल पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को उछालेगी वहीं दोनों दल दूसरे राज्यों में एक-दूसरे की पीठ खुजाएंगे। केंद्र में अगर सत्ता परिवर्तन होता है तो यहां के सांसद चाहे वह कांग्रेस के हों या आप के एक साथ सरकार में बैठेंगे और भाजपा सरकार बनी रहती है तो विपक्ष में गलबहियां डाले दिखेंगे, यानि हमीं से मुहब्बत हमीं से लड़ाई- अरे मार डाला दुहाई दुहाई। पंजाब में इस रिश्ते को फिक्स मैच या नूरा कुश्ती का नाम दिया जाने लगा है। कल 1 मार्च को पंजाब विधानसभा में शुरू हुए बजट सत्र के दौरान कांग्रेस ने पंजाब में शंभू सीमा पर चल रहे किसान आंदोलन में मारे गए युवक को लेकर आप की सरकार को घेरा तो सत्तापक्ष ने कांग्रेस पर पलटवार किया। भाजपा ने इसे फिक्स मैच बता कर उपहास किया है और कहा है कि किसानों के खिलाफ दोनों अंदर से मिले हुए हैं।

इस बेमेल खिचड़ी गठबन्धन को लेकर एक कहानी सुनाई जाने लगी है कि जैसे बाढ़ के समय जान बचाने के लिए अपनी दुश्मनी भुला कर हर तरह के जीव-जन्तु ऊंचाई वाली जगह पर एकत्रित हो जाते हैं परन्तु पानी उतरते ही उनकी मित्रता उसी बाढ़ के जल में प्रवाहित हो जाती है और फिर एक दूसरे की जान के दुश्मन बन जाते हैं। लगता है कि देश में जिस तरह का राजनीतिक वातावरण बना हुआ है और भाजपा की विजय की अभी से भविष्यवाणी करने वालों की संख्या बढ़ रही है, शायद उसी के भय से आम आदमी पार्टी व कांग्रेस ने मिल कर भानुमती का कुनबा जुटाया है। देश के इतिहास में यह दूसरा चुनाव है जब भ्रष्टाचार को लेकर सरकार हावी है और विपक्षी दल रक्षात्मक मुद्रा में हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं पर तो काफी समय से इस तरह के केस चले आ रहे हैं परन्तु कट्टर ईमानदार अरविंद केजरीवाल व आप के कई बड़े नेताओं पर भी दिल्ली आबकारी घोटाले के छींटे पड़े हैं जो उन्हें बेचैन किए हुए हैं। आम आदमी पार्टी के कई नेता तो जेलों में कैद हैं और यहां तक कि उन्हें इन केसों में सर्वोच्च न्यायालय से जमानत तक नहीं मिल पा रही। ये वही केजरीवाल हैं जो सोनिया गांधी को मंच पर खड़े हो कर भ्रष्टाचारी बताते थे और दिल्ली की पूर्व कांग्रेसी मुख्यमंत्री दिवंगत शीला दीक्षित के कथित भ्रष्टाचार के सबूतों का पुलिंदा होने का दावा करते थे। दिल्ली विधानसभा चुनावों में उन्होंने दावा किया था कि सत्ता में आते ही इन सबको जेल की हवा खिलाई जाएगी। पर आज वही केजरीवाल कांग्रेस को परम मित्र बताते नहीं अघाते।

पंजाब में भी भगवंत मान की सरकार ने आते ही कथित भ्रष्टाचार उन्मूलन अभियान चला कर एक दर्जन के करीब पूर्व कांग्रेसी मंत्रियों व विधायकों के यहां सतर्कता विभाग की छापामारी करवाई और कईयों को जेल में भेजा परन्तु वर्तमान में न जाने किस कारण से उनका यह अभियान केवल पटवारियों और कलर्कों तक सीमित हो कर रह गया। बड़े नेताओं के केस लम्बी तारीख पर डाल दिए गए हैं। पंजाब के बड़े कांग्रेसियों के भ्रष्टाचार पर न केवल भगवंत मान बल्कि उनके मंत्रियों व नेताओं तक ने बोलना कम कर दिया।

जैसे कि बताया जा चुका है कि विरोधी दलों से गठजोड़ होना कोई नई बात नहीं है परंतु किसी दो दलों में एक स्थान पर तो गठबंधन हो और दूसरी जगह पर एक-दूसरे से भिड़ते दिखें तो अतीत में ऐसा राजनीतिक उदाहरण दुर्लभ ही है। कहने को दोनों दल दावा करते हैं कि वे देश में लोकतंत्र व संविधान बचाने के लिए एक दूसरे के साथ आए हैं अगर ऐसा है तो इतने पवित्र यज्ञ में पंजाब को क्यों आहूति डालने से वंचित कर दिया? देशवासी अब आम आदमी पार्टी व कांग्रेस दोनों से पूछ रहे हैं कि इस रिश्ते को क्या नाम दें?

संपादक की कलम से

घर में महाभारत रखना अशुभ क्यों माना गया जबकि गीता शुभ है, जानें इसके पीछे का कारण

महाभारत ग्रंथ महर्षि वेद-व्यास द्वारा लिखा एक हिंदू धर्म की महत्वपूर्ण कृतियों में से एक है। माना जाता है कि कुरुक्षेत्र में लड़ा गया महाभारत का युद्ध इतिहास के सबसे भीषण युद्धों में से एक है। आखिर क्यों महाभारत या उससे जुड़ी चीजों को घर में क्यों नही रख सकता। आइए आपको बताते हैं आखिर क्यों हैं ऐसा।

धर्म और अधर्म के बीच लड़ा गया महाभारत का युद्ध हर इंसान को सिखाता है कि उसे जीवन में किन गलतियों को करने से बचना हैं। हिंदू धर्म का पवित्र ग्रंथ गीता भी महाभारत का ही भाग है, हालांकि इसे पवित्र माना और प्रेरणा देने वाला ग्रंथ माना जाता है और इसका पाठ भी किया जाता है। जबकि महाभारत को घर में रखना या फिर पढ़ना अच्छा नहीं माना जाता है। बता दें कि, महाभारत को पांचवा वेद भी माना गया है, आइए आपको बताते है इसका कारण।

हो सकते हैं ये परिणाम

हिंदू मान्यताओं के अनुसार गीता और रामायण की पवित्र ग्रंथ माना गया है, जबकि महाभारत को अशुभ माना जाता है क्योंकि इसे रखने या पढ़ने से घर में नकारात्मकता आती है। घर में कलह-क्लेश देखने को मिलते है। वहीं अगर आप महाभारत का पाठ करते हैं तो परिवार के सदस्यों के बीच दूरियां आने लगती है। इसके साथ ही परिवार में भुरी भावनाएं उत्पन्न हो जाती है।

ये चीजें रखने से होती है परेशानी

इतना ही नहीं, महाभारत से जुड़ी कोई भी चीज रखने से या पढ़ने से ही व्यक्ति को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता, बल्कि युद्ध के प्रीतक जैसे- तस्वीर या रथ आदि को भी शुभ नहीं माना जाता है। इससे मनुष्य के मानसिक सेहत पर भी बुरा असर करता है और घर में लड़ाई-झगड़ें होने लगते है।

मंदिर में कर सकते हैं पाठ

महाभारत को घर में रखना अशुभ माना जाता है। अगर आपको महाभारत का पाठ करना है तो आप मंदिर में जाकर वहां महाभारत का पाठ कर सकते हैं या आप किसी खाली स्थान पर भी कर सकते हैं। ऐसा माना जाता है कि महाभारत के पाठ को कभी भी पूरी नहीं पढ़ना चाहिए, इसके लिए आप एक पृष्ठ को छोड़कर पढ़ सकते हैं।

ज्ञान

भूलकर भी न फेके लड्डू गोपाल के भोग की चढ़ी हुई तुलसी...

प्रतिदिन लड्डू गोपाल के भोग में इस्तेमाल में होने वाली तुलसी को फेंक देते है, लेकिन इसका सही इस्तेमाल कैसें करें यह किसी को नहीं पता होता है। बहुत से लोगों के मन में यह सवाल भी आता है कि ठाकुर जी को भोग में दी गई तुलसी का इस्तेमाल किस तरह से करें, आइए आपको बताते हैं। लड्डू गोपाल की पूजा आमतौर पर हिंदु घरों में होती है, ठाकुर जी को घर मे रखने से खुशहाली आती है। वहीं लड्डू गोपाल को रखने के कई सारे नियम होते है। इन नियम का सही तरह से पालन भी किया जाना चाहिए। लड्डू गोपाल के पूजन से लेकर भोग तक तुलसी का बहुत महत्व मना जाता है। भगवान श्रीकृष्ण को तुलसी की मंजरी व तुलसी अधिक प्रिय है, लड्डू गोपाल के भोग में तुलसी जरुर शमिल होती है। इसी तरह से ठाकुर जी को दिन में 4 बार भोग लगाने का खास नियम है। उनके भोग में तुलसी के पत्ते जरुर डाले जाते है। लेकिन भोग लगाने के बाद उन पत्तों का क्या करना चाहिए, आइए आपको बताते हैं।

तुलसी के पतों को फेंके नहीं

लड्डू गोपाल के भोग वाली तुलसी को कभी नहीं फेकना चाहिए, इससे आपके ऊपर पाप चढ़ जाएगा। तलुसी को आप इक्ट्ठा करके रख सकते है जिस आप अपने भोजन में बाद में डाल सकते हैं। इसके अलवा आप चढ़े हुए तुलसी के पत्तों को किसी डिब्बे में स्टोर करके रख सकते हैं, फिर जब तुलसी पत्ते न होने पर भगवान को स्नान और भोग लगाने के लिए फिर से इस्तेमाल कर सकते हैं।

प्रसाद की तरह ग्रहण करें

तुलसी के पत्तों को फेकने के बाजाय आप इस प्रसाद की तरह चबा सकते हैं। इससे आपको काफी लाभ मिलेगा या आप एकादशी के दिन चढ़े हुए तुलसी के पत्तों को दोबारा इस्तेमाल कर सकते हैं।

तिजोरी में रख सकते हैं

लड्डू गोपाल के भोग में चढ़ी हुई तुलसी के पत्तों को आप एक लाल कपड़े में बांधकर तिजोरी में रख सकते हैं। भगवान को चढ़ी हुई तुलसी शुभ फलदायी होती है। इसे लॉकर में रखने से धन में वृद्धि होती है। ऐसा करने से कर्जों से मुक्ति मिल जाती है।

तुलसी का पौधा भी लगा सकते है

अगर आप ने लड्डू गोपाल के भोग में तुलसी की मजरी भी रखी है तो आप उसको इक्ट्ठा करके सुखा लें फिर उसके बाद मिट्टी में उसे डबा दें। अगर मजरी पकी हुई तो आसानी से तुलसी का नया पौधी उग जाएगा।

पर्स में रख सकते हैं

लड्डू गोपाल के भोग में इस्तेमाल में होने वाली तुलसी को आप इक्ट्ठा करके इसे पर्स में रख सकते हैं। इससे आपको कभी धन की कमी नहीं होगी और आर्थिक व्यवस्था भी मजबूत होगी।

सहयोगी दलों के साथ सीट बंटवारे में घाटे का सौदा करने को मजबूर है कांग्रेस

जगदीप छोकर ने कहा कि अदालत के फैसले को मैं 'देर आए दुरुस्त आए' ही कहूंगा। क्योंकि निर्णय कुछ महीनों से कोर्ट में रिजर्व था। जिसे काफी पहले सुनाया जाना चाहिए था। निर्णय को दो भागों में लिखा गया। पहले निर्णय को चार जजों ने और दूसरे निर्णय को एक अन्य जज ने लिखा।

योगेंद्र योगी

विगत विधानसभा चुनाव को यदि लोकसभा चुनाव की भविष्यवाणी मानें तो विपक्षी दलों की केंद्र में सरकार बनाने के संभावना क्षीण है। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच दिल्ली के अलावा हरियाणा, गुजरात, गोवा और चंडीगढ़ में भी गठबंधन हुआ है।

कभी देश में एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस क्षेत्रीय दलों से लोकसभा चुनाव की सीटों को लेकर घाटे का सौदा करने को मजबूर हो गई है। कांग्रेस की यह हालत पिछले लोकसभा चुनाव में और हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में करारी शिकस्त खाने के बाद हुई है। कमजोर होती कांग्रेस से रिक्त हुआ राजनीतिक स्थान क्षेत्रीय दल ले रहे हैं। कांग्रेस की स्थिति यह हो गई है कि यदि राजनीति में टिकना है तो क्षेत्रीय दलों के सामने झुकना है। कांग्रेस ने क्षेत्रीय दलों से गठबंधन करके करीब 70 सीटों की कुर्बानी दे चुकी है। इन सीटों पर पिछली बार कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 421 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इनमें से कांग्रेस मात्र 52 सीटें जीतने में कामयाब हो सकी। जिस तरह कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन कर रही है, उससे आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के सबसे बड़े दल के तौर पर उभर कर आने पर ब्रेक लग सकता है। ऐसी हालत में केंद्र में यदि गैरभाजपा गठबंधन बहुमत में आता भी है तो कांग्रेस के लिए कप्तान की भूमिका निभा पाना मुश्किल होगा।

हालांकि विगत विधानसभा चुनाव को यदि लोकसभा चुनाव की भविष्यवाणी मानें तो विपक्षी दलों की केंद्र में सरकार बनाने के संभावना क्षीण है। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच दिल्ली के अलावा हरियाणा, गुजरात, गोवा और चंडीगढ़ में भी गठबंधन हुआ है। आम आदमी पार्टी 46 में से सात सीटों पर चुनाव लड़ रही है। गोवा और चंडीगढ़ के लिए भी अरविंद केजरीवाल ने अपने उम्मीदवार को चुनाव लड़ाने की तैयारी की थी, लेकिन गठबंधन के बाद उन्होंने अपना फैसला बदल दिया। गोवा में एक सीट पर उम्मीदवार का ऐलान करने के बाद आम आदमी पार्टी ने दोनों सीटें कांग्रेस को दी हैं। दिल्ली में भी पहले आम आदमी पार्टी ने छह सीट पर चुनाव लड़ने की बात कही थी, लेकिन बाद में चार सीटों पर ही समझौता कर लिया। दिल्ली में कांग्रेस को आम आदमी पार्टी से 3 सीटों पर चुनाव लड़ने की सहमति पर समझौता करना पड़ा। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी सात में से चार सीटों- पश्चिमी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली और नई दिल्ली पर चुनाव लड़ेगी। शेष तीन- उत्तर पूर्वी दिल्ली, उत्तर पश्चिम दिल्ली और चांदनी चौक संसदीय सीट से कांग्रेस चुनाव लड़ेगी।

2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने दिल्ली की सभी सात सीटों पर जीत दर्ज की थी। लगातार दो बार लोकसभा चुनाव में आप और कांग्रेस के प्रत्याशी एक भी सीट पर जीत दर्ज करने में कामयाब नहीं हुए। गुजरात में 26 में से दो सीटें अनुसूचित जाति और चार सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। आम आदमी पार्टी दो और कांग्रेस 24 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस की कमजोर राजनीतिक हालत का फायदा उठाने से गठबंधन का कोई भी दल नहीं चूक रहा है। हर दल जितना हो सके कांग्रेस की बांह मरोड़ने में जुटा हुआ है। समाजवादी पार्टी के तीखे तेवर दिखाने के बाद कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा घाटा हुआ है। कांग्रेस अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी से डील कर चुकी है। पार्टी उत्तर प्रदेश में 17 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जो लोकसभा में सबसे ज्यादा सांसद भेजता है। महाराष्ट्र में कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) के बीच आठ सीटों पर अभी तक फैसला नहीं हो सका है, जिसके बीच गतिरोध बना हुआ है। पश्चिम बंगाल भी कांग्रेस के लिए चुनौती बना हुआ है। तृणमूल सभी 42 सीटों पर चुनाव लडने की घोषणा कर चुकी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले ही कह चुकी हैं कि कांग्रेस को अपने प्रभाव क्षेत्र वाले राज्यों से चुनाव लडना चाहिए। क्षेत्रीय दलों वाले राज्यों में कांग्रेस के लिए कोई स्थान नहीं है। ममता के इन तेवरों से जाहिर है कि अलबत्ता तो पश्चिमी बंगाल में तृणमूल से कोई सीट शेयरिंग नहीं होगी। यदि होती भी है तो कांग्रेस दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सकेगी। तृणमूल कांग्रेस को दो से अधिक सीटें देने के लिए तैयार नहीं है, जो पूर्वी राज्य में कम से कम पांच सीटें मांग रही है। हालांकि तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने अपना रुख रख दिया है और स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

समाजवादी पार्टी और आप के साथ अपनी सफलताओं के बाद तृणमूल कांग्रेस के साथ हैट्रिक बनाने की कोशिश कर रही है। संभावित सौदे को मधुर बनाने के लिए, कांग्रेस कथित तौर पर असम में तृणमूल को दो और मेघालय में एक सीट देने को तैयार थी। इंडिया ब्लॉक, जिसे पिछले साल भाजपा से मुकाबला करने के लिए स्थापित किया गया था, पहले ही दो प्रमुख सदस्यों को खो चुका है। नीतीश कुमार की जनता दल-यूनाइटेड और जयंत चौधरी की राष्ट्र लोक दल ने बीजेपी के साथ गठबंधन कर लिया है। ऐसे में कांग्रेस के पास बिहार में सिर्फ लालू यादव की पार्टी आरजेडी से समझौता करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। यदि कांग्रेस राष्ट्रीय जनता दल से कांग्रेस समझौता करती है तो भाजपा दुगनी गति से कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर प्रहार करने का मौका मिल जाएगा। विगत चुनावों भाजपा से शिकस्त खाने के बाद कमजोर हुई कांग्रेस की हालत को बिखरते इंडिया गठबंधन ने तगड़े झटके दिए हैं। जिस तरह से कांग्रेस की हालत हो गई है, उस हिसाब से सीटों के समझौतों में गठबंधन कम मजबूरी अधिक झलक रही है। यह निश्चित है कि केंद्र और राज्यों से सत्ता से धकेली जा रही कांग्रेस नीतियां स्पष्ट नहीं करेगी तब तक न सिर्फ भाजपा बल्कि इंडिया गठबंधन के दल उसे हाशिए पर धकेलने के लिए मजबूर करते रहेंगे।

घुमंतू जिंदगी

संजय शेफर्ड

ट्रैवल ब्लॉगर, मुश्किल हालातों में काम करने वाले दुनिया के श्रेष्ठ दस ब्लॉगर में शामिल।

त्रिपुरा: पूर्वोत्तर भारत की खिड़की

त्रिपुरा अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के लिए देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया भर में जाना जाता है। इस छोटे से प्रदेश में घूमने-टहलने के लिए इतनी सारी जगहें हैं कि महीने कम पड़ जाएं। फरवरी से ही ही इस जगह पर सैलानियों की आवाजाही शुरू हो जाती है और अक्टूबर तक चलती है। आखिर क्या ऐसा खास है कि इस जगह पर हर कोई आना चाहता है इसी बात को समझने की कोशिश में मुझे इस जगह के बारे में बहुत सारी बातें पता चलीं। इस जगह पर हालांकि एक बार मेरा जाना भी हुआ था लेकिन उस समय मैं बहुत छोटा था और घूमने का कोई खास मौका भी नहीं मिला इसलिए मेरी आधी-अधूरी स्मृतियों में वहां के कुछ पहाड़ों, जंगलों और सैकड़ों साल पुराने अटूट आस्था से जुड़े मंदिरों के अलावा ज्यादा कुछ दर्ज नहीं हो पाया।

एक तरह से देखा जाए तो ये आदिवासी बाहुल्य इलाका है और त्रिपुरा को यहां के जंगलों, पहाड़ों और मंदिरों ने ही पवित्र बनाया है।

त्रिपुरा की राजधानी अगरतला है और त्रिपुरा का पर्यटन परिवारों, दोस्तों, जोड़ों और एकल यात्रियों को सबसे ज्यादा आकर्षित करता है। अगरतला पहुंचने के लिए सभी बड़े शहरों से हवाई सुविधा उपलब्ध है। अगर आप ट्रेन से जाना चाहते हैं तो आपको कुमारघाट स्टेशन कोलकाता पहुंचना होगा। कुमारघाट स्टेशन कोलकाता, अगरतला से 140 किमी की दूरी पर स्थित है और दिल्ली, इंदौर, चेन्नई और बैंगलोर से अच्छी तरह जुड़ा है। स्थानीय जगहों पर घूमने के लिए सार्वजानिक परिवहन एक अच्छा विकल्प है। टैक्सी की सुविधा भी आप इस जगह पर ले सकते हैं। यह थोड़ा महंगा जरूर पड़ेगा पर यात्रा के लिहाज से काफी सुविधाजनक और आरामदेह रहेगा।

त्रिपुरा में हरियाली और सुन्दर वातावरण मिलेगा जिसमें पहुंचकर आपका मन प्रफुल्लित हो उठेगा। अगर आप त्रिपुरा घूमने अथवा अपनी छुट्टियां बिताने के लिहाज से आते हैं तो इन जगहों पर जरूर जाएं। यह त्रिपुरा के उत्तर में स्थित कुमारघाट अनानास की विस्तृत स्तर की खेती के लिए जाना जाता है और देश ही नहीं अपितु पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। राजधानी अगरतला से 140 किमी की दूरी तय करके लोग इस जगह पर फलों की खेती देखने के लिए लोग आते हैं। अगरतला से 55 किमी दूर उदयपुर अपने भव्य मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। त्रिपुर सुंदरी मंदिर और भुवनेश्वरी मंदिर इस जगह के सबसे खास मंदिरों में गिने जाते हैं। सिपाहीजला वन्यजीव अभयारण्य भी इसी जगह पर स्थित है। यदि आप प्रकृति प्रेमी हैं, आपको जैविक विविधता अच्छी लगाती है तो सिपाहीजला में आपको वनस्पति उद्यान, चिड़ियाघर, झील और नौका विहार की सुविधा मिलती है। जिसे आप काफी एन्जॉय करेंगे।

यह त्रिपुरा की राजधानी के साथ-साथ एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भी है। इस जगह पर घूमने और देखने के लिए काफी कुछ है बहुत सारे शीर्ष आकर्षण की चीजें इस जगह पर देखने को मिल जायेंगी। इस जगह को चावल, जूट, चाय और तेल के बीज के ताजा उत्पादन के लिए जाना जाता है। अगरतला में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहें हैं उज्जयंत पैलेस, कुंजाबन पैलेस और नेरामहाल।

इनसाइड

छत पर सोलर पैनल लगाने में भारत की बड़ी छलांग, अमेरिकी रिसर्च फर्म भी हुई मुरीद

देश में सोलर पैनल लगवाने की कॉस्ट काफी कम हुई है। लोग इसका आर्थिक और पर्यावरणीय फायदा भी समझने लगे हैं। इससे रूफटॉप सोलर पैनल लगवाने वालों की तादाद लगातार बढ़ रही है। 2023 में छत पर सोलर पैनल इंस्टॉलेशन 6 .25 फीसदी बढ़कर 1.7 गीगावॉट हो गया। 2024 में सोलर पैनल लगवाने में इससे और भी अधिक तेज ग्रोथ होने की उम्मीद है।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली केंद्र सरकार रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन पर काफी जोर दे रही है। इसे बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं भी लागू कर रही है। इन सबका सकारात्मक नतीजा नजर भी आ रहा है। साल 2023 में छत पर सोलर पैनल इंस्टॉलेशन 6.25 फीसदी बढ़कर 1.7 गीगावॉट हो गया।

यह जानकारी अमेरिकी रिसर्च फर्म मेरकॉम कैपिटल (Mercom Capital) ने दी है। उसकी 'मेरकॉम इंडिया रूफटॉप सोलर मार्केट रिपोर्ट' के अनुसार, भारत में सोलर पैनल लगवाने की लागत कम हुई है और अब लोग इसका आर्थिक और पर्यावरणीय फायदा भी समझने लगे हैं। यही वजह है कि रूफटॉप सोलर पैनल लगवाने वालों की तादाद लगातार बढ़ रही है।

2023 में सौर क्षमता बढ़ाने में आम जनता का योगदान अधिक था, जिन्होंने अपने घर की छतों पर पैनल लगवाया। हालांकि, इसमें ज्यादा बड़ी ग्रोथ नहीं हुई क्योंकि कमर्शियल एंड इंडस्ट्रियल (C&I) कंज्यूमर अपने पूंजी निवेश को कम रखने के लिए मॉड्यूल के दाम स्थिर होने का इंतजार कर रहे थे।

पिछले साल सौर क्षमा वृद्धि में आवासीय सेगमेंट की हिस्सेदारी आधे से अधिक थी। उसके बाद कमर्शियल एंड इंडस्ट्रियल सेगमेंट था।

मेरकॉम कैपिटल ग्रुप के सीईओ राज प्रभु ने कहा, 'बिजली का बिजली लगातार बढ़ रहा है, जबकि सोलर सिस्टम लगवाने की लागत कम हो रही है। सोलर सिस्टम पर सरकार से कई तरह की रियायतें भी मिल रही हैं। इससे आम जनता का झुकाव सोलर सिस्टम की ओर बढ़ रहा है।'

राज प्रभु ने कहा कि आवासीय सेगमेंट के साथ ही कमर्शियल-इंडस्ट्रियल सेगमेंट को भी निवेश पर आकर्षक रिटर्न मिल रहा है। उनकी कीमतों में गिरावट का इंतजार भी खत्म हो गया है। इससे सोलर सिस्टम की डिमांड लगातार बढ़ रही है, जिसके 2024 में और तेज होने की उम्मीद है।

छत पर सोलर सिस्टम लगवाने की औसत लागत में लगातार पांचवीं तिमाही में गिरावट आई है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सरकार ने सोलर पैनल लगवाने को और भी लुभावना बना दिया है। इससे उम्मीद है कि 2024 में सोलर पैनल लगवाने की ग्रोथ पिछले साल के मुकाबले काफी अधिक रहेगी।

सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग में ताइवान-चीन का दबदबा खत्म करने को तैयार भारत, जानिए क्या है सरकार का पूरा प्लान

परिवहन विशेष न्यूज

सेमीकंडक्टर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज का अहम हिस्सा होते हैं। इनका इस्तेमाल कार से मोबाइल फोन और यहां तक कि वॉशिंग मशीन में भी होता है। सेमीकंडक्टर की मैन्युफैक्चरिंग पर फिलहाल ताइवान दक्षिण कोरिया और चीन का दबदबा है। अब भारत ने इस सेक्टर में अपना दबदबा बनाने की योजना बनाई है और इसके लिए वह 10 अरब डॉलर का निवेश कर रहा है।

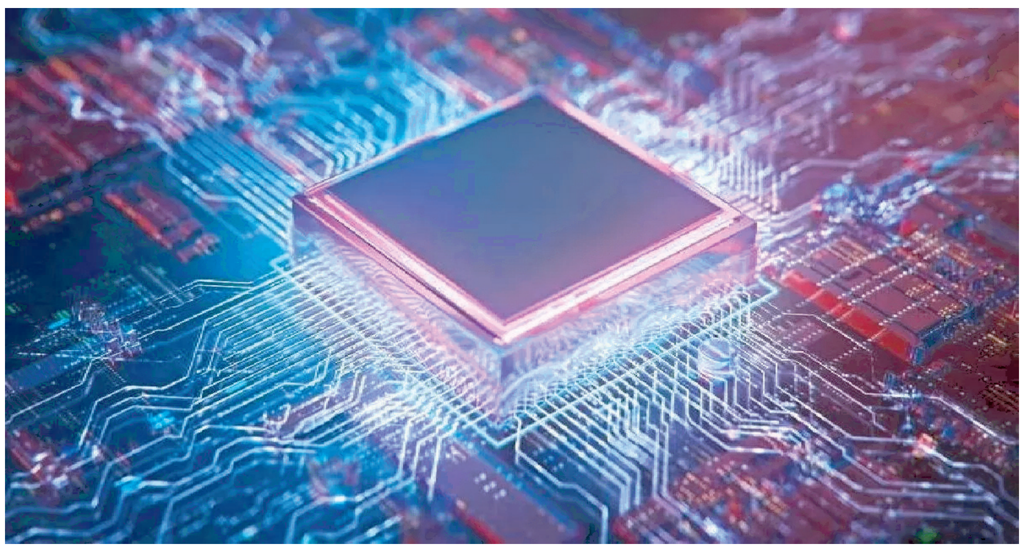

नई दिल्ली। भारत सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग (Semiconductor Manufacturing) के मामले में दूसरे देशों पर निर्भरता घटाना चाहता है। यही वजह है कि सरकार नए प्लांट लगाने के लिए 10 अरब डॉलर की प्रोत्साहन राशि दे रही है।

आईटी और दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव (Ashwini Vaishnaw) का कहना है कि इससे भारत में बेहतरीन डिजाइन वाले सेमीकंडक्टर तैयार हो सकेंगे और इस सेक्टर में ताइवान, दक्षिण कोरिया और चीन का दबदबा कम होगा। उन्होंने कहा कि अगले 5 साल में चिपमेकर्स की दुनिया का बड़ा खिलाड़ी बन जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत ने कभी शानदार पॉलिसीज बनाई हैं, जो मैन्युफैक्चरर्स को भारत में नए फैब्स (सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन प्लांट्स) लगाने और इस सेक्टर में निवेश बढ़ाने के लिए लुभा रही हैं।

सेमीकंडक्टर असल में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज का अहम हिस्सा होते हैं। इनका इस्तेमाल ऑटोमोबाइल्स से लेकर कंप्यूटर, मोबाइल फोन और यहां तक कि वॉशिंग मशीन में भी होता है। कुछ समय पहले सेमीकंडक्टर की किल्लत हो गई थी, जिससे ऑटो प्रोडक्शन भी ठप हो गया था। भारत में पहले से ही मशहूर ऑटोमोबाइल कंपनियों की फैक्ट्रियां हैं, जिनमें Renault-Nissan से लेकर Hyundai तक शामिल हैं। अगर लिस्ट को कंप्यूटर की ओर ले जाएं, तो डेल और एपल के सप्लायर्स जैसे मैन्युफैक्चरर हैं। सैमसंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरर भी हैं, जो टीवी से लेकर वॉशिंग मशीन और फ्रिज तक सब बनाते हैं।

अब भारत की नजर सेमीकंडक्टर बनाने के साथ मैन्युफैक्चरिंग वैल्यू चेन को आगे बढ़ाने पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगआई वाली सरकार के 76,000 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन से माइक्रोन और टाटा समेत चार कंपनियों को फायदा हुआ है।

वैष्णव ने कहा कि देश में पहले से ही ग्लोबल डिजाइन टैलेंट का लगभग एक तिहाई मौजूद है। ऐसे में हम जल्द ही सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के मामले में काफी आगे निकल सकते हैं।

नासकॉम ने किया आगाह, पहले इस सेक्टर की नौकरियां खाएगा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

इस बात की चिंता लगातार जताई जा रही है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बड़े पैमाने पर लोगों की नौकरियां जाएंगी। लेकिन सबसे बड़ा खतरा बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (BPO) सेक्टर पर है। जानकार मान रहे है कि AI काफी जल्द BPO सेक्टर के कर्मचारियों की जगह ले लेगा। आइए जानते हैं कि और किन सेक्टर की नौकरियां पर ज्यादा खतरा है।

नई दिल्ली। कारोबार जगत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में एक्सपर्ट बड़े पैमाने पर नौकरियां जाने की आशंका जता रहे हैं। लेकिन, सबसे बड़ा खतरा बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (BPO) सेक्टर पर है। आईटी इंडस्ट्री की संस्था Nasscom के चेयरमैन राजेश नांबियार ने यह चिंता जताई है।

नांबियार ग्लोबल टेक्नॉलजी दिग्गज Cogniozant के भारतीय कारोबार के मैनेजिंग डायरेक्टर भी हैं। उनका कहना है कि इंडियन टेक इंडस्ट्री के मुख्य आधार सॉफ्टवेयर सर्विस इंडस्ट्री के वर्कर्स को ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। उनकी जॉब एक हद तक अभी सुरक्षित रहने वाली है।

नांबियार ने पुणे में आयोजित एक सेमिनार में कहा, 'जो लोग प्रोसेस से जुड़ी इंडस्ट्री में काम करते हैं, जिन्हें अमूमन BPO कहा जाता है, उनमें से कुछ को बहुत जल्द ही AI इंजन से रिप्लेस होने का जोखिम है।' पिछले कुछ समय में जॉब पर AI के प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। खासकर, 250 अरब डॉलर वाले इंडियन टेक सेक्टर में, जिसकी देश के जीडीपी में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। नांबियार ने सॉफ्टवेयर सर्विसेज इंडस्ट्री के मामले में कहा कि अब सभी को AI का इस्तेमाल करना सीखना है। जो प्रोफेशनल्स अपने काम के हिस्से के तौर पर AI का इस्तेमाल नहीं करते, उनकी जगह जल्द ही वे लोग ले लेंगे, जिन्हें इसका यूज अच्छे से आता है।

अगले हफ्ते IPO ला रही हैं ये कंपनियां, निवेश करने से पहले जान लीजिए पूरी डिटेल

परिवहन विशेष न्यूज

आईपीओ कई बार निवेशकों को काफी कम समय में शानदार रिटर्न देते हैं। लेकिन आईपीओ में निवेश करने से पहले आपको उनके बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए। हम अगले हफ्ते आने वाले कुछ आईपीओ के बारे में बता रहे हैं जिनमें आप निवेश कर सकते हैं। लेकिन निवेश से पहले आपको कंपनी की बैलेंस शीट और ग्रोथ के बारे में जानकारी ले लेनी चाहिए

नई दिल्ली। अगर आप शेयर बाजार में निवेश करके अच्छा रिटर्न पाना चाहते हैं, तो अच्छी ग्रोथ संभावना वाली कंपनियों के IPO (Initial Public Offering) पर दांव लगा सकते हैं। पिछले कुछ समय में कई IPO ने काफी शानदार रिटर्न दिया है। अगले हफ्ते में कई आईपीओ आने वाले हैं, जिन्हें आप सब्सक्राइब कर सकते हैं।

सोना मशीनरी लिमिटेड IPO

Sona Machinery Limited ऑटोमैटिक राइस मिल जैस एग्रो-प्रोसेसिंग इक्विपमेंट बनाती है। इसका IPO 5 मार्च को खुलेगा, जिसे 7 मार्च तक सब्सक्राइब किया जा सकता है। इस IPO से कंपनी का 51.82 करोड़ रुपये जुटाने का प्लान है। प्राइस बैंड 136 से 143 रुपये तय किया गया है।

आरके स्वामी लिमिटेड IPO

मीडिया, क्रिएटिव, डेटा एनालिटिक्स और मार्केट रिसर्च सर्विसेज जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने वाली RK Swamy Limited का IPO 4 मार्च को खुलेगा और 6 मार्च को बंद होगा। कंपनी ने 423.56 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। प्राइस बैंड 270 से 288 रुपये के बीच रखा गया है।

वीआर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड IPO

रियल एस्टेट डिवेलपर VR Infraspace Limited का आईपीओ 4 मार्च को खुलेगा और इसे 6 मार्च तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा। कंपनी आईपीओ से 20.40 करोड़ रुपये जुटाने वाली है। प्राइस बैंड 85 रुपये प्रति शेयर है।

जेजी केमिकल्स लिमिटेड IPO

देश और एशिया की सबसे बड़ी Zinc Oxide मैन्युफैक्चरर JG Chemicals Limited का आईपीओ 5 मार्च से 7 मार्च तक सब्सक्राइब किया जा सकता है। कंपनी इस आईपीओ से 251.19 करोड़ रुपये जुटाएगी। शेयर की कीमत 210 से 220 तय की गई है।

पुणे ई-स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड IPO

कॉर्पोरेट ब्रोकिंग हाउस Pune E-Stock Broking Limited का आईपीओ 7 से 12 मार्च तक खुला रहेगा। इश्यू साइज 38.23 करोड़ रुपये है। प्राइस बैंड 78 से 83 रुपये तय किया गया है।

IPO क्या होता है?

IPO का मतलब प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) होता है। कंपनियों को जब अपना कारोबार बढ़ाने या फिर कर्ज घटाने जैसे कामों के लिए पैसों की जरूरत होती है, तो वे आईपीओ लाती हैं।

पान-तंबाकू पर जमकर पैसा फूंक रहे लोग, पढ़ाई पर होने वाला खर्च घटाया

सैंपल सर्वे ऑफ सि (NSSO) ने पिछले हफ्ते हाउसहोल्ड कंजप्शन एक्सपेंडिचर सर्वे 2022-23 का डेटा जारी किया था। इससे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के खर्च करने के पैटर्न के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिलीं। पिछले एक दशक के दौरान देश में पान तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों की खपत बढ़ी है। लोग अपनी आय का बड़ा हिस्सा ऐसे उत्पादों पर खर्च कर रहे हैं।

नई दिल्ली। पिछले एक दशक के दौरान देश में पान, तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों की खपत बढ़ी है। बहुत से लोग अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा ऐसे उत्पादों पर खर्च कर रहे हैं। यह जानकारी हाउसहोल्ड कंजप्शन एक्सपेंडिचर सर्वे 2022-23 से मिली है, जिसके डेटा को नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (NSSO) ने पिछले हफ्ते जारी किया गया था।

दिलचस्प बात यह है कि नशीले उत्पादों पर खर्च ग्रामीण और शहरी, दोनों इलाकों में बढ़ा है। सर्वे के आकंड़े बताते हैं कि 2011-12 के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में लोग नशे पर 3.21 फीसदी खर्च करते थे, जो 2022-23 में बढ़कर 3.79 फीसदी हो गया।

वहीं, शहरी इलाके की बात करें, तो 2011-12 में वहां लोग पान-तंबाकू और दूसरे नशीले पदार्थों पर 1.61 फीसदी खर्च करते थे। यह 2022-23 में बढ़कर 2.43 फीसदी हो गया।

गौर करने की बात यह है कि इसी दौरान शहरी क्षेत्रों में शिक्षा पर खर्च का अनुपात 6.9 फीसदी से घटकर 5.78 फीसदी हो गया। यही ट्रेंड ग्रामीण इलाकों में भी दिखा। यहां खर्च का अनुपात 3.49 प्रतिशत से कम होकर 3.3 प्रतिशत पर आ गया।

इस सर्वे से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के खानपान में बदलाव की भी झलक मिलती है। खासकर लोग पेय पदार्थों और प्रोसेस्ड फूड को ज्यादा पसंद कर रहे हैं।

शहरी क्षेत्रों में पेय पदार्थों और प्रोसेस्ड फूड पर खर्च 2011-12 में 8.98 प्रतिशत था, जो 2022-23 में बढ़कर 10.64 प्रतिशत हो गया है। ग्रामीण इलाकों में भी लोगों ने इन चीजों पर खर्च बढ़ाया और 7.90 प्रतिशत से बढ़कर 9.62 प्रतिशत हो गया।

क्यों होता है इस तरह का सर्वे?

Ministry of Statistics and Programme Implementation के अंतर्गत आने वाला यह NSSO सर्वे हर साल करता है। इसका मकसद यह पता लगाना होता है कि आम आदमी के खर्च में किस तरह से बदलाव हो रहा है। अलग-अलग राज्यों और शहरों में लोगों के खर्च करने का पैटर्न क्या है। सरकार को इस सर्वे के आधार पर अपनी योजनाएं बनाने में भी मदद मिलती है।

टॉप 10 कंपनियों में से 7 का मार्केट कैप बढ़ा, मुकेश अंबानी की रिलायंस के साथ एलआईसी और इंफोसिस का कम हुआ

टॉप 10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से 7 के मार्केट कैप में पिछले हफ्ते सामूहिक रूप से 65302 .5 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज HDFC Bank ICICI Bank SBI भारती एयरटेल और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट में इजाफा हुआ। लेकिन लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन (LIC) मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज और नारायण मूर्ति की इंफोसिस के मार्केट कैप में गिरावट देखने को मिली

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार नए ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंच गया है। इसका सबसे अधिक फायदा की बड़ी कंपनियों को हुआ है। संसेक्स की टॉप 10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से 7 के मार्केट कैपिटलाइजेशन (m-cap) में कुल मिलाकर 65,302.5 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।

किन कंपनियों के मार्केट कैप में आया उछाल?

पिछले हफ्ते BSE के 30 शेयरों वाले सेंसेक्स में 663.35 अंक का उछाल आया। वहीं, NSE का निफ्टी 165.7 अंक चढ़कर नए उच्चतम स्तर पर पहुंचा। इससे सबसे ज्यादा फायदा टाटा ग्रुप की आईटी सर्विसेज, कंसल्टेंसी, बिजनेस सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने वाली TCS को हुआ। इसका मार्केट कैप 19,881.39 करोड़ रुपये बढ़कर 14,85,912.36 करोड़ रुपये हो गया।

वहीं, ICICI Bank का मार्केट कैप में पिछले हफ्ते 15,672.82 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ और यह 7,60,481.54 करोड़ रुपये पर हो गया। इन दोनों के अलावा HDFC Bank, स्टेट बैंक (SBI), भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर और ITC के मार्केट कैप में भी उछाल देखने को मिला।

किन कंपनियों का मार्केट कैप में आई गिरावट?

शेयर बाजार में शानदार तेजी से टॉप 10 में से 7 कंपनियों को फायदा हुआ, लेकिन बाकी तीन कंपनियों मार्केट कैप में गिरावट देखी गई। इनमें सरकार के मालिकाना हक वाली लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन (LIC), मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज और नारायण मूर्ति की इंफोसिस शामिल हैं।

LIC का मार्केट कैप में 19,892.12 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 6,54,763.76 करोड़ रुपये पर आ गया। इंफोसिस का बाजार मूल्यांकन में भी 9,048.17 करोड़ की कमी दर्ज की है। यह फिलहाल 6,86,997.15 करोड़ रुपये हैं।

वहीं, मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 3,720.44 करोड़ रुपये कम हुआ। यह अभी 20,16,750.44 करोड़ रुपये है।

अगर सबसे मूल्यवान कंपनियों की रैंकिंग पर नजर डालें, तो रिलायंस इंडस्ट्रीज टॉप पर रही। फिर क्रमवार तरीके से TCS, HDFC बैंक, ICICI बैंक, SBI, इंफोसिस, LIC, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर और ITC का नंबर रहा।

क्या होता है मार्केट कैपिटलाइजेशन?

मार्केट कैपिटलाइजेशन (Market capitalization) कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों की वैल्यू को दर्शाता है, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं। इससे कंपनी के आकार और मूल्य को तय करने में मदद मिलती है। इसे कंपनियों को अलग-अलग मार्केट सेगमेंट वर्गीकृत करने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है, जैसे कि लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप।

वेदांता रिसॉर्स ने बनाई तीन अरब डॉलर का कर्ज घटाने की योजना, शेयरों पर दिख सकता है असर

वेदांता रिसोर्सेसज का वित्त वर्ष 2024-25 में 110 करोड़ डॉलर का कर्ज मैच्योर हो रहा है। कंपनी का कहना है कि वह इस कर्ज को आगे नहीं बढ़ाएगी। लिमिटेड के वाइस चेयरमैन नवीन अग्रवाल ने कहा कि अगले वित्त वर्ष के लिए पूंजीगत खर्च से पहले वेदांता लिमिटेड का कैश फ्लो 3 .5-4 अरब डॉलर रहने का अनुमान है जो कर्ज चुकाने के लिए पर्याप्त है।

नई दिल्ली। देश की प्रमुख खनन कंपनी वेदांता लिमिटेड की पैरेंट कंपनी वेदांता रिसोर्सेज ने अगले तीन साल में तीन अरब डॉलर का कर्ज कम करने की योजना बनाई है। वेदांता लिमिटेड के वाइस चेयरमैन और प्रमोटर ग्रुप के मेंबर नवीन अग्रवाल ने विश्लेषकों की हालिया बैठक में कहा कि उन्हें नहीं लगता कि कर्ज को आगे बढ़ाया जाएगा। कंपनी ने हाल ही में अपनी प्रमोटर यूनिट फिनसाइडर इंटरनेशनल के जरिए अपने शेयरों का महत्वपूर्ण हिस्सा बेचा है। नवीन अग्रवाल ने विश्लेषकों को बताया, 'कर्ज कम करना हमारी प्राथमिकता है। हम वेदांता रिसोर्सेज के कर्ज को तीन अरब डॉलर तक कम करेंगे।' उन्होंने कहा कि अगले वित्त वर्ष के लिए पूंजीगत खर्च से पहले वेदांता लिमिटेड का कैश फ्लो 3.5-4 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। यह रकम 1.5 अरब डॉलर के सिक्योर्ड लोन को चुकाने के लिए पर्याप्त है, जिनकी अवधि पूरी हो रही है।' नवीन अग्रवाल ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में 110 करोड़ डॉलर का कर्ज मैच्योर हो रहा है। इसके सहित करीब 75 करोड़ डॉलर की ब्याज देनदारी को ब्रांड फीस, सहयोगी कंपनियों से मिले लाभांश और अन्य रणनीतिक पहल के जरिए चुकाया जाएगा।' वेदांता समूह ने हाल में प्रमोटर कंपनी फिनसाइडर इंटरनेशनल की 1.76 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 1,737 करोड़ रुपये की रकम जुटाई है।

अपने बचत के पैसों को कहां जमा कर रहे लोग, रिजर्व बैंक ने बताया

अब निवेश के लिए लोग उन स्कीमों को पसंद कर रहे हैं जिनमें अच्छी ब्याज दर मिले। यही वजह है कि लोग बैंक डिपॉजिट से ज्यादा टर्म डिपॉजिट को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं जिसमें ब्याज दर अधिक है। दिसंबर 2023 में टोटल बैंक डिपॉजिट में Term Savings Plans के तहत जमा पैसों की हिस्सेदारी बढ़कर 60 .3 फीसदी हो गई जो मार्च 2023 में 57 .3 फीसदी थी।

नई दिल्ली। पिछले कुछ समय में लोगों के निवेश के तरीके में काफी बदलाव आया है। अब वे उन स्कीमों में पैसे लगाना पसंद कर रहे हैं, जिनमें उन्हें अच्छी ब्याज दर मिले। यही वजह है कि लोगों का झुकाव सावधि बचत योजनाओं (Term Savings Plans) की तरफ बढ़ रहा है।

रिजर्व बैंक के डेटा बताता है कि दिसंबर 2023 में टोटल बैंक डिपॉजिट में सावधि बचत योजना के तहत जमा पैसों की हिस्सेदारी बढ़कर 60.3 फीसदी हो गई, जो मार्च 2023 में 57.3 फीसदी थी। रिजर्व बैंक का मानना है कि टर्म सेविंग प्लान पर बढ़ती ब्याज दरें लोगों को लुभा रही हैं।

अगर इंक्रीमेंटल बेसिस पर देखें, तो अप्रैल-दिसंबर 2023 के दौरान सावधि जमा टोटल डिपॉजिट का लगभग 97.6 फीसदी था। वहीं, चालू खाता और बचत खाता जमा के तहत जमा होने वाली रकम में गिरावट आई।

आरबीआई के डेटा के अनुसार, 'टर्म डिपॉडिट जमा पर बढ़ता रिटर्न बैंक डिपॉजिट में संरचनात्मक बदलाव ला रहा है।' पिछले दिनों अमेरिकी इनवेस्टमेंट बैंकिंग कंपनी गोल्डमैन सैक्स (Goldman Sachs) ने भी अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि बैंक डिपॉजिट पर कम रिटर्न मिलने की वजह से लोग इससे दूरी बना रहे हैं।

रिजर्व बैंक ने करीब एक साल से शॉर्ट-टर्म लेंडिंग रेट यानी रेपो रेट 6.5 फीसदी पर बरकरार रखा है। इसमें आखिरी बार फरवरी 2023 में बदलाव किया गया। उस समय वैश्विक कारणों से मुद्रास्फीति बढ़ी थी, जिसकी वजह से केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट को 6.25 फीसदी से बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया था।

इस डेटा के एक अन्य सेट से पता चलता है कि दिसंबर 2023 में उद्योग को कर्ज में सालाना आधार पर 9.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो एक साल पहले की ग्रोथ के बराबर थी। कुल कर्ज में पर्सनल लोन की हिस्सेदारी सबसे अधिक 30.9 प्रतिशत थी। यह पिछले साल 28.6 प्रतिशत थी।

डॉ. हर्षवर्धन ने सक्रिय राजनीति को कहा अलविदा, बताया अब क्यों नहीं लड़ेंगे

परिवहन विशेष न्यूज

भाजपा नेता डॉ. हर्षवर्धन ने सक्रिय राजनीति से दूरी बना ली है। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने संदेश में लिखातीस साल से अधिक के शानदार चुनावी करियर के बाद जिसके दौरान मैंने सभी पांच विधानसभा और दो संसदीय चुनाव लड़े मैंने पार्टी संगठन और राज्य और केंद्र की सरकारों में कई प्रतिष्ठित पदों पर काम किया।

नई दिल्ली। भाजपा नेता डॉ. हर्षवर्धन ने सक्रिय राजनीति से दूरी बना ली है। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने संदेश में लिखा,₹तीस साल से अधिक के शानदार चुनावी करियर के बाद, जिसके दौरान मैंने सभी पांच विधानसभा और दो संसदीय चुनाव लड़े, मैंने पार्टी संगठन और राज्य और केंद्र की सरकारों में कई प्रतिष्ठित पदों पर काम किया।₹ वो चांदनी चौक से मौजूदा सांसद हैं।₹

मानव जाति की सेवा ही मेरा आदर्शः डॉ. हर्षवर्धन

उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा,₹जब मैंने गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करने की इच्छा के साथ पचास साल पहले जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर में एमबीबीएस में दाखिला लिया तो मानव जाति की सेवा ही मेरा आदर्श वाक्य था। दिल से एक स्वयंसेवक, मैं हमेशा पंक्ति में अंतिम व्यक्ति की सेवा करने के प्रयास के दीन दयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय दर्शन का प्रबल प्रशंसक रहा हूं। तत्कालीन आरएसएस नेतृत्व के आग्रह पर मैं चुनावी मैदान में कूदा।₹

डॉ. हर्षवर्धन ने कोविड के दौर को किया याद

उन्होंने कोविड महामारी के दौर को याद करते हुए लिखा,₹मैंने दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री के साथ-साथ दो बार केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के रूप में कार्य किया, यह विषय मेरे दिल के करीब है। मुझे पहले पोलियो मुक्त भारत बनाने की दिशा में काम करने और फिर उसके पहले और दूसरे चरण के दौरान खतरनाक कोविड-19 से जूझ रहे हमारे लाखों देशवासियों के स्वास्थ्य की देखभाल करने का दुर्लभ अवसर मिला।

मानव जाति के लंबे इतिहास में, केवल कुछ ही लोगों को गंभीर समय में अपने लोगों की रक्षा करने का विशेषाधिकार दिया गया है ! और मैं गर्व से दावा कर सकता हूं कि मैंने जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ा, बल्कि इसका स्वागत किया।

हर्षवर्धन ने पीएम मोदी की लीडरशिप की तारीफ की

उन्होंने आगे कहा,₹मुझे यह अवश्य स्वीकार करना चाहिए कि मैं भारत के इतिहास में सबसे गतिशील प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के साथ मिलकर काम करना एक बड़ा सौभाग्य मानता हूं। देश उनकी फिर से सत्ता में वीरतापूर्ण वापसी की कामना करता है। मैं तंबाकू और मादक द्रव्यों के सेवन के खिलाफ, जलवायु परिवर्तन के खिलाफ और सरल और टिकाऊ जीवन शैली सिखाने के लिए अपना काम जारी रखूंगा। उन सभी के लिए एक बड़ी जयकार, जो उस समय चट्टान की तरह मेरे साथ खड़े रहे, जब मैंने कई चीजें पहली बार हासिल कीं और एक पूर्ण राजनीतिक जीवन जीया।"

बीजेपी-बीजेडी गठबंधन पर अभी भी सस्पेंस बरकरार है. बीजेपी के पहले चरण के उम्मीदवारों की सूची से ओडिशा को बाहर करने के बाद काफी चर्चा हुई

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेस्वरः बीजेपी और बीजेडी के बीच अभी भी सस्पेंस जारी है । पहले चरण के लिए बीजेपी की उम्मीदवारों की सूची से ओडिशा को बाहर किए जाने के बाद एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है । सबकी निगाहें 5 तारीख को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ओडिशा दौरे पर हैं । मुख्यमंत्री नवीन पटनायक आज दिल्ली जायेंगे ।

हालांकि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के बारे में कोई जानकारी नहीं है, लेकिन दिल्ली पैलेस में चर्चा है कि भाजपा-बीजद गठबंधन को अंतिम रूप दिया जाएगा। सोशल मीडिया पर दोनों पार्टियों के बीच सीट समझौते की चर्चा हो रही है । यह एक बड़ी मीडिया हेडलाइन बन गई है । दोनों पार्टियों के नेताओं ने इस अफवाह का खंडन करते हुए इसे बदनामी करार दिया है ।

छह सरकारी स्कूल भवनों का फंड जारी करने में हो रही देरी, आतिशी ने लगाई मुख्य सचिव को फटकार

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने छह सरकारी स्कूलों को फंड जारी करने में हो रही देरी पर मुख्य सचिव को फटकार लगाते हुए छह मार्च तक फंड जारी करने के निर्देश दिया है। उन्होंने फंड में हो रही देरी पर हाईकोर्ट की नाराजगी का हवाला देते हुए चेतावनी दी और कहा कि अब कोई भी और देरी कोर्ट के आदेश की अवमानना होगी।

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्री आतिशी ने छह सरकारी स्कूलों को फंड जारी करने में हो रही देरी पर मुख्य सचिव को फटकार लगाते हुए छह मार्च तक फंड जारी करने के निर्देश दिया है। उन्होंने फंड में हो रही देरी पर हाईकोर्ट की नाराजगी का हवाला देते हुए चेतावनी दी और कहा कि अब कोई भी और देरी कोर्ट के आदेश की अवमानना होगी।

मंत्री ने मांग की है कि दिल्ली हाईकोर्ट की अगली सुनवाई से पहले लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को धनराशि दे दी जाए और इसके लिए सभी विभाग अगले चार दिनों तक लगातार 24 घंटे काम करें।

ज्ञात हो कि छह सरकारी स्कूलों के लिए भुगतान अभी तक नहीं हुआ है और फाइल शिक्षा और वित्त विभाग के बीच घूम रही है।जबकि हाईकोर्ट ने भी फंड जारी करने में हो रही देरी पर अपनी नाराजगी जता चुका है। इससे पहले इस मामले को सुलझाने के लिए मुख्य सचिव ने चार सप्ताह का समय और मांगा था। इस पर नाराजगी जताते हुए मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव को निर्देश देते हुए कहा कि अतिरिक्त समय मांगना सही नहीं है और यह हाईकोर्ट के आदेश का उल्लंघन भी होगा।

शिक्षा मंत्री ने मुख्य सचिव को लिखे नोट

पैसे का भुगतान करने के लिए समय सीमा तय करते हुए शिक्षा मंत्री ने मुख्य सचिव को लिखे नोट में कहा है कि यह सुनिश्चित करना मुख्य सचिव की व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी कि समय का पालन किया जाए। यह मामला 20 नवंबर 2023, पांच दिसंबर 2023 और चार जनवरी 2024 और एक फरवरी 2024 को दिल्ली हाईकोर्ट के समक्ष सुनवाई के लिए आया था।

अगली सुनवाई 6 मार्च को होगी

दिल्ली हाईकोर्ट ने एक फरवरी 2024 के अपने आदेश में कहा था कि इस आदेश की एक प्रति को संबंधित फाइलों के साथ दिल्ली के मुख्य सचिव को मुख्यमंत्री के सामने रखना होगा। दिल्ली हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 6 मार्च 2024 को होनी है।

2023 में दिल्ली हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर

सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले एक ग्रुप ने नवंबर 2023 में दिल्ली हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर दिल्ली सरकार के स्कूलों को छह नवनिर्मित स्कूल भवनों का कब्जा सौंपने के लिए दिल्ली सरकार को निर्देश देने की मांग की थी। याचिकाकर्ता ने दिल्ली सरकार को यह भी निर्देश देने की मांग की है कि वह लोक निर्माण विभाग को रुपये के भुगतान को मंजूरी दे, जिससे कि छह नवनिर्मित स्कूल भवनों का हस्तांतरण और कब्जा पूरा हो सके।

यह छह स्कूल हैं शामिल

जिन छह स्कूलों के लिए फंड जारी किया जाना है, उनमें मुकुंदपुर का गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बख्तावरपुर का गवर्नमेंट ब्वायज सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लांसर रोड का सर्वोदय विद्यालय, रानी बाग का गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रोहिणी सेक्टर- सात का को-एड सर्वोदय विद्यालय और पंजाब खोरे का गवर्नमेंट मिडिल स्कूल शामिल हैं। इन छह सरकारी स्कूलों में कुल 458 कक्षाएं और 22 शौचालय बनाए जाने हैं।

सीरवी समाज कनकपुरा रोड़ जरगनहल्ली वडेर की नई कार्यकारिणी गठित

परिवहन विशेष न्यूज

बेंगलूरूः सीरवी समाज कनकपुरा रोड जरगनहल्ली ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी का गठन शनिवार को आईमाता वडेर में किया गया। सर्वप्रथम आईमाता की आरती कर धर्मसभा शुभारंभ किया गया। इस दौरान ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा नई कार्यकारिणी चुनी गई, जिसमें सर्व सममति से जगदीश काग को अध्यक्ष के रूप में चुना गया। साथ ही हरजीराम बर्फा को सचिव पद पर नियुक्त किया गया। उपाध्यक्ष नारायणलाल सेंणचा, सह-सचिव नथाराम राठौड़, कोषाध्यक्ष नरेन्द्र चोयल, सह-कोषाध्यक्ष रामलाल गेहलोत, संरक्षक पेमाराम गेहलोत, संरक्षक भेराराम हाम्बड को चुना गया। इस मौके पर वडेर में भोजन प्रसादी का आयोजन रखा गया। अध्यक्ष जगदीश काग ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप समाज कल्याण एवं हितैषी कार्य करेंगे। शिक्षा संस्कार एवं संगठन के लिए आप जरूर कर्तव्य से अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे और जो मिला है उन पद की गरिमा बनाए रखेंगे। इस अवसर पर संस्था के पूर्व अध्यक्ष पेमाराम गेहलोत, उपाध्यक्ष मोहनलाल राठौड़, सचिव रतनलाल काग, सहसचिव मोहनलाल हाम्बड़, कोषाध्यक्ष बाबूलाल सेंणचा, तेजाराम चोयल एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य मौजूद थे।

रानी अब्बाका क्रीड़ा उत्सव कार्यक्रम आयोजित

परिवहनविशेष न्यूज

बेंगलूरूः रानी अब्बाका प्रतिष्ठान बेंगलुरु द्वारा रानी अब्बाका क्रीड़ा मैदान महालक्ष्मी लेआउट में रानी अब्बाका क्रीडा उत्सव 2024 का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि क्षेत्र के विधायक गोपालैया, महेंद्र मुणोत, पूर्व विधायक नरेंद्र बाबू, राष्ट्रीय खिलाड़ी अश्विनी ने दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महिलाओं के लिए आयोजित इस खेल प्रतियोगिता में थ्रो बॉल, लगोरी ,रस्सी खींच, खो खो एवं अन्य स्पर्धाएं आयोजित की गई. प्रतिष्ठान के राजेंद्र कुमार, पुरुषोत्तम, सुंदर राज, अजीत हेगडे, कांति शेट्टी, डॉक्टर बलाल एवं नवीन हेगड़े ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया एवं अतिथियों को सम्मानित किया ।

सांसद चौधरी आज चेन्नई प्रवास से लौटेंगे, जोधपुर एयरपोर्ट एवं पाली क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं द्वारा होगा भव्य सौगात, सांसद मंदिरों के दर्शन कर टेकेंगे मत्था

परिवहनविशेष न्यूज

पाली/जोधपुर। भाजपा केन्द्रीय चुनाव समिति द्वारा घोषित लोकसभा प्रत्याशियों की प्रथम लिस्ट में शामिल पाली लोकसभा प्रत्याशी एवं सासंद और पूर्व केन्द्रीय राज्य पीपी चौधरी अपने दो दिवसीय चेन्नई प्रवास से सोमवार को लौटेंगे। आज दोपहर 01:30 बजे हवाई मार्ग से जोधपुर लौटेंगे। पाली जिलाध्यक्ष मंशाराम परमार और जोधपुर जिला देहता जिलाध्यक्ष जगराम विश्नोई ने बताया कि लोकसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं एवं आमजन के द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। इस दौरान एक अभिनंदन रैली भी निकाली जाएगी। इसके बाद सांसद चौधरी शिकारपुरा आश्रम पहुचेंगे, जहां पटेल समाज द्वारा उनका अभिनंदन किया जाएगा। इसके बाद ओम बन्ना मंदिर, पाली के गणेश मंदिर, सोमनाथ मंदिर में मत्था टेकेंगे। वहीं रोहट, हाउसिंग बोर्ड, बस स्टेण्ड, मिल गेट, अंबेडकर सर्कल और सूरजपोल पर कार्यकर्ताओं द्वारा उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा।

सिखवाल समाज का 13 वॉ आदर्श सामुहिक विवाह सम्मेलन सम्पन, 9 जोडे बन्धे परियण सूत्र में

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। शहर के हरणी महादेव रोड स्थित ऋष्य श्रृंग संस्थान में सिखवाल समाज के 13 वीं आदर्श सामुहिक विवाह सम्मेलन सम्पन हुआ जिसमें 09 जोडे परिणय सूत्र में बंधे। सम्मेलन में मुख्य अतिथि महन्त मोहन शरण जी शास्त्री, सांसद सुभाष चन्द्र बहेडिया, कैलाश चन्द्र शर्मा सचिव माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, समाज सेवी राधेश्याम सुखवाल, सहित समाज के प्रबुद्धजन मौजुद थे। मिडिया प्रभारी विनोद सुखवाल व लोकेश तिवारी ने बताया कि शनिवार शाम को विनायक स्थापना मंगल कलश स्थापना के बाद शाम को संगीत संध्या में महिलाओं ने राजस्थानी नृत्य पर सुन्दर प्रस्तुतियां दी। आज सुबह सजे धजे दूल्हे व रंग बिरंगी पोशाको मे दुल्हने नजर आई। सुबह शहर के विभिन्न मागों से होती हुई बग्गीयों में निकली शोभायात्रा पर समाजजनों ने जगह जगह पुष्प वर्षा की। तोरण के बाद मंच पर सभी की अतिथियों की मोजुदगी में वरमाला हुई इस दौरान संस्थान सदस्य व समाज सेवी लोकेश तिवारी के सफल संचालन ने वहीं मौजुद जनता को बान्धे रखा। विवाह सम्मेलन आयोजन समिति के प्रभारी प्रहलाद तिवाड़ी ने सम्मेलन के बारे में जानकारी दी।

हापत गांव में मुख्य गेट निर्माण कार्य शुरू किया

परिवहन विशेष न्यूज

पालीः पाली जिले के सोजत तहसील के हापत गांव में पोपेशर महादेव मंदिर पर हापत मै भामाशाह पूर्व सरपंच झूमर राम जी बाकरेचा ने मुख्य गेट निर्माण दिन कार्य चालू करवाया समस्त ग्रामवासी यो द्वारा बाकरेचा परिवार का आभार व्यक्त किया। शिवरात्रि पर्व पर जोराराम कुमावत केबिनेट मंत्री व देवस्थान विभाग एवं पशुपलन मंत्री बिलाड़ा विधायक अर्जुन लाल गर्ग और सोजत विधायक शोभा जी चौहान दिनांक8 मार्च/जागरण व 9 मार्च को कार्यक्रम व महाप्रसादी का आयोजित किया जाएगा, ललीत पुरी प्रकाश महाराज भंवरलाल भैराराम जलवानीया ओमप्रकाश कुमावत श्रवण कुमार सुखदेव देवासी पुसाराम देवासी खेमराज प्रजापत किशन सैन हनुमान राम हापत

होलाष्टक

होलाष्टक समय-:

होलाष्टक फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 17 मार्च 2024, रविवार से शुरू होंगे और फाल्गुन पूर्णिमा 24 मार्च 2024 पर समाप्त होंगे। इस दिन होलिका दहन होगा और 25 मार्च 2024 को रंगवाली होली खेली जाएगी।

होलाष्टक...?

होलाष्टक शब्द होली और अष्टक दो शब्दों से मिलकर बना है, जिसका अर्थ होता है होली के आठ दिन।

होलाष्टक के दौरान सभी ग्रह उग्र स्वभाव में रहते हैं, जिसके कारण शुभ कार्यों का अच्छा फल नहीं मिल पाता है।

मांगलिक कार्य वर्जित-:

होलाष्टक होली से 8 दिन पहले शुरू हो जाते हैं, धार्मिक मान्यता के अनुसार इन आठ दिनों में कोई भी मांगलिक कार्यक्रम जैसे शादी, विवाह, मुंडन, गृह निर्माण, गृह प्रवेश आदि कार्य वर्जित माने जाते हैं।।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023